भाद्रपद शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 40 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 02-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी कर रहे हैं मतदाताओं का अपमान : रविशंकर प्रसाद

6 नकली दवाइयों का काला कारोबार

7 अभिनेता विपिन शर्मा का विदेश में बजा डंका

फर्स्ट टेक

अलास्का में हो रहा भारत-अमेरिका सैन्य अभ्यास

नयी दिल्ली, एक सितंबर (भाषा) भारत और अमेरिका के बीच अलास्का में एक से 14 सितंबर के बीच सैन्य अभ्यास हो रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चौदह दिवसीय 'भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास 2025' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और 'टैरिफ' नीतियों को लेकर नयी दिल्ली और वाशिंगटन के मध्य तनावपूर्ण संबंधों के बीच आयोजित हो रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस अभ्यास में भारत की ओर से मद्रास रेजिमेंट के जवान भागीदारी कर रहे हैं। युद्ध अभ्यास में तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का एकीकृत उपयोग शामिल है।

यूपीआई लेनदेन की संख्या अगस्त में 20 अरब के पार

नई दिल्ली/भाषा। लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या अगस्त में 20 अरब को पार कर गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी। इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। यह आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपए था। मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के अनुसार यूपीआई लेनदेन की राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपए रही। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपए था। एनपीसीआई ने बताया कि मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त 2024 के 14.9 अरब से 34 प्रतिशत बढ़कर अगस्त 2025 में 20.01 अरब हो गया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकर पर मिसाइल दागी

दुबई, एक सितंबर (एपी) यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के तट पर एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी है, जिससे इस अहम वैश्विक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर उनके हमले फिर से शुरू होने की आशंका है। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने हूतियों के नियंत्रण वाले उपग्रह समाचार चैनल अल-मसिरा पर प्रसारित पहले से रिकॉर्ड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जहाज 'स्कारलेट रे' को निशाना बनाया गया, उसका संबंध इजराइल से है। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

02-09-2025 सूर्यास्त 6:29 बजे | 03-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,364.49 (+554.84)	24,625.05 (+198.20)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	122,001 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोर चोर...

ये आए तो इनने उनकी,
गड़बड़ की फाइल रुकवाई।
वे ना करते कभी कहीं भी,
सरेआम उनकी रुसवाई ।
ये और वो सबको ही दिखते,
इक दूजे की ही परछाई।
इनको देख समझ गए सारे,
चोर चोर मौसेरे भाई।।

आतंकवाद साझा चुनौती, इस पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तियांजिन/नयी दिल्ली 01 सितम्बर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद , अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा।

मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद सिर्फ किसी देश की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज, कोई नागरिक अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता। इसीलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने हमेशा एकजुटता पर बल दिया है।

मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से निर्मम आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितनी ही माताओं ने अपने बच्चे खोए और कितने बच्चे अनाथ हो गए। पहलगाम आतंकवादी हमले को आतंकवाद का घिनौना चेहरा बताते हुए उन्होंने कहा, हाल ही में, हमने पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा। इस दु:ख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमला केवल भारत की अंतरात्मा पर ही आघात नहीं था, यह मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश, हर व्यक्ति को खुली चुनौती थी। आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों का नाम लिए बिना उन्होंने इन देशों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा , ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है: क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुलेआम समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है? मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाने वाले देशों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आतंकवाद का विरोध करना सभी का दायित्व है ।

भारत ने एससीओ सम्मेलन में चीन की 'बेल्ट एंड रोड' पहल का विरोध जारी रखा

तियानजिन (चीन), एक सितंबर (भाषा) भारत ने चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड' पहल (बीआरआई) का सोमवार को समर्थन करने से इनकार कर दिया, जिससे वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एकमात्र देश बन गया, जिसने इस कनेक्टिविटी परियोजना का समर्थन नहीं किया। चीन के इस बंदरगाह शहर में एससीओ शिखर सम्मेलन के अंत में जारी घोषणापत्र में कहा गया कि रूस, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने चीनी कनेक्टिविटी पहल के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। भारत ने किसी भी पिछली एससीओ बैठक या शिखर सम्मेलन में बीआरआई का समर्थन नहीं किया है।

पुतिन से मिले मोदी, कहा

संकट में एक-दूसरे का साथ दिया है भारत और रूस ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तियांजिन/नयी दिल्ली 01 सितम्बर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की विभिन्न देशों पर आयात शुल्क लगाये जाने की घोषणा से दुनिया भर में मची उथल-पुथल के बीच सोमवार को यहां तियांजिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा की और कहा कि भारत तथा रूस हमेशा कठिन समय में एक दूसरे के साथ खड़े रहे हैं तथा उनकी साझेदारी दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक शांति, स्थिरता तथा समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

चीन की दो दिन की यात्रा के अंतिम दिन स्वदेश रवाना होने से पहले मोदी ने तियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें सम्मेलन के समापन के बाद श्री पुतिन के साथ बातचीत में रूस-यूक्रेन संघर्ष के जल्द समाप्त होने की भी उम्मीद जतायी।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक, वित्तीय तथा ऊर्जा क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जतायी। मोदी ने दोनों देशों के बीच प्रगाढ संबंधों तथा नियमित संपर्क का उल्लेख करते हुए कहा, हम लगातार संपर्क में रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से कई उच्च स्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इस वर्ष दिसम्बर में हमारे 23 वें शिखर सम्मेलन के लिए 140 करोड़ भारतीय उत्सुकतापूर्वक आपका इंतजार कर रहे हैं। यह हमारी एक विशेष और सामरिक साझेदारी की गइराई और व्यापकता का परिचायक है।

मुश्किल वक्त में एक दूसरे के साथ खड़े रहने की भारत और रूस की नीतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी भारत और रूस हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चले हैं। हमारी करीबी सहयोग न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए बल्कि वैश्विक शांति स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब तीन वर्ष से चले आ रहे संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद जताते हुए उन्होंने

नेहरू परिवार ने गांधी का उपनाम चुराया : जी किशन रेड्डी

पटना, एक सितंबर (भाषा) केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को बिहार के लोगों से ''नेहरू परिवार'' को ''सबक सिखाने'' का आग्रह किया और कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी की विरासत को भुनाने के लिए ''गांधी का उपनाम चुराया'' है। भारतीय जनता पार्टी के नेता यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में 'वोटर अधिकार यात्रा' समाप्त की। रेड्डी ने कहा, '' मैं भारतीय जनता युवा मोर्चा के दिनों से बिहार से परिचित हूं। इस राज्य के लोग राजनीतिक रूप से जागरुक हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि वे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और नेहरू परिवार को सबक सिखाएं, जिन्होंने गांधी का उपनाम तक चुरा लिया है जबकि उनका महात्मा गांधी से कोई वास्तविक संबंध नहीं था।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाए जाने पर रेड्डी ने निशाना साधते हुए कहा, हम वोट नहीं चुराते बल्कि लोगों का दिल चुराते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें यह पता चल जाएगा।''

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 800 लोगों की मौत, 2,500 घायल, कई गांव तबाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल, एक सितंबर (एपी) पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता यह जानकारी दी।

भूकंप के बाद परेशान अफगानी लोग रात के अंधेरे में भी मलबे में अपने लापता प्रियजनों की तलाश करते रहे।

पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

फुटेज में दिखाया गया कि बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से निकाल कर स्ट्रेचर की मदद से हेलिकॉप्टरों में ले जा रहे हैं, जबकि लोग हाथों से मलबे को हटाने में लगे हुए हैं।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज़्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं।

भाजपा धर्मस्थला मुद्दे पर कर रही राजनीति : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की धर्मस्थलाा चलो' रैली को 'राजनीति'' करार देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि विपक्षी दल को इससे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलेगा। धर्मस्थला और चामुंडी पहाड़ी मामले में भाजपा के आचरण को ''पाखंड'' बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उसे लगता है कि वह जो कर रही है, उसके चलते हिंदू उसके साथ एकजुट हो जाएंगे, लेकिन वह गलत है। उन्होंने कहा, ''मैं भी एक हिंदू हूं।''

भाजपा नेता और विधायक सोमवार को 'धर्मस्थला चलो' रैली निकाल रहे हैं तथा धर्मस्थला के खिलाफ कथित साजिश और बदनामी अभियान की निंदा कर रहे हैं। उन्होंने मामले की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने की भी मांग की है।

सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''उसे (भाजपा को) ऐसा करने दीजिए, वह राजनीति के लिए ऐसा कर रही है। उसे लगता है कि इससे उसे राजनीतिक फ़ायदा होगा, लेकिन उसे कोई फ़ायदा नहीं होगा। हम (कांग्रेस) धर्मस्थला और भगवान मंजूनाथ का बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन वह (भाजपा) राजनीति कर रही है।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''उसने (भाजपा ने) एसआईटी के गठन के समय ही यह (आंदोलन) क्यों नहीं किया? इतने दिन बाद, जब उसे पता चला कि (खुदाई में) कुछ नहीं मिला, तो उसने यह शुरू कर दिया। क्या यह पाखंड नहीं है?''

चामुंडी पहाड़ी पर 'चामुंडेश्वरी मंदिर चलो' के भाजपा के आह्वान पर एक सवाल के जवाब में, मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा को लगता है कि ऐसा करने से हिंदुत्व मजबूत होगा और हिंदू उसके साथ एकजुट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं भी हिंदू हूं... क्या हमने अपने गांव में राम मंदिर नहीं बनवाया? हिंदुओं से मतलब, राजनीति करना, झूठा प्रचार करना और उनके नाम पर झूठ बोलना नहीं है। दरअसल इंसानियत होनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो। अगर किसी में इंसानियत नहीं है और उसका व्यवहार अमानवीय है, तो वह इंसान नहीं है।''

नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों का देश में विकास और निर्माण आवश्यक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसुरु, एक सितंबर (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग वाक् और श्रवण विकलांगताओं से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने ऐसे उपकरणों के विकास और देश में ही इनके निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि आम जनता को ये आसानी से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यहां 'ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग' (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह में कहा, बोलने व सुनने संबंधी समस्याओं के लक्षणों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और उनके निदान के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। समाज को जागरूक होना चाहिए और बोलने व सुनने की समस्याओं से पीड़ित लोगों के प्रति सहयोग व सहानुभूति का भाव रखना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि एक अखिल भारतीय संस्थान के रूप में एआईआईएसएच को भारत और विदेश के संस्थानों के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित होने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एआईआईएसएच द्वारा स्थापित 'समावेशी थेरेपी पार्क' भारत और विदेश में एक आदर्श के रूप में कार्य कर रहा है, जिसे संचार विकारों से प्रभावित बच्चों के लिए डिजाइन किया गया है।

मुर्मू ने संचार विकारों और उनकी शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शुरू की गई अनूठी पहल 'एआईआईएसएच आरोग्य वाणी' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देश का एक अग्रणी संस्थान होने के नाते एआईआईएसएच संचार विकारों से संबंधित राष्ट्रीय नीति-निर्माण में भी सलाह दे सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा, आज, प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नवीनतम तकनीकों का उपयोग वाणी और श्रवण संबंधी अक्षमताओं को दूर करने में बहुत मददगार साबित होगा। लेकिन नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए, देश में उनका विकास और निर्माण आवश्यक है। उन्होंने दोहराया, उदाहरण के लिए 'कॉक्लियर इम्प्लांट' जैसे उपकरणों को कम लागत पर उपलब्ध कराने के लिए हमें उनके निर्माण में आत्मनिर्भर बनना होगा। एआईआईएसएच जैसे संस्थानों को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

पहले ही सुपर चार में पहुंच चुके भारत ने कजाकिस्तान को 15-0 से रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर, एक सितंबर (भाषा) भारत ने एकतरफा मुकाबले में कजाकिस्तान को 15-0 से रौंदकर सोमवार को यहां पूल तालिका में शीर्ष स्थान के साथ एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर चार चरण में प्रवेश किया। भारत ने मुकाबला शुरू होने से पहले ही सुपर चार का टिकट पक्का कर लिया था लेकिन टीम ने इस बड़ी जीत के बाद पूल ए में शीर्ष स्थान पक्का किया।

भारत के लिए भारत के लिए अभिषेक (5वें, 8वें, 20वें और 59वें मिनट), सुखजीत सिंह (15वें, 32वें, 38वें), जुगराज सिंह (24वें, 31वें, 47वें) हैट्रिक गोल करने वालों में शामिल रहे जबकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह (26वें), अमित रोहिदास (29वें), राजिंदर सिंह (32वें), संजय सिंह (54वें), दिलप्रीत सिंह (55वें) ने गोल कर टीम की जीत की हैट्रिक पक्की की।

भारत ने अपने पहले दो मैचों में चीन और जापान को हराया था।

भारत के साथ चीन भी इस पूल से सुपर चार के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा, जबकि मलेशिया और कोरिया पूल बी से अगले चरण में पहुंचने वाली टीमें हैं।

सभी चार टीमें टूर्नामेंट के अगले चरण में एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष दो टीमें रविवार के फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

मैच में शुरुआती कुछ मिनटों के बाद सुखजीत ने कजाकिस्तान के हाफ में गेंद को रोका और अभिषेक को पास दिया, जिन्होंने सर्कल के ऊपर से रिवर्स शॉट के साथ भारत का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद अभिषेक ने उसी जगह से फोरहैंड का इस्तेमाल कर दूसरा गोल किया। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर के अंत से ठीक पहले पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन हरमनप्रीत के प्रयास को कजाकिस्तान के गोलकीपर येरजान येलुबायेव ने बचा लिया।

मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ ने मनाया सामूहिक क्षमायाचना समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ कर्नाटक के तत्वाधान में रविवार को सामूहिक क्षमायाचना समारोह कार्यक्रम गंगानगर स्थानक में मनाया गया। अध्यक्ष विजयराज पितलिया द्वारा पर्युषण पर्व एवं क्षमायाचना दिवस पर विचार व्यक्त करते हुए इस पर्व को आत्मा की शुद्ध बनाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि अहंकार, क्रोध एवं घृणा से परे होकर ही क्षमायाचना की जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मंत्री सुनील नंदावत ने बताया कि इस आयोजन के लाभार्थी राजकुमार सोनी परिवार व तपस्वियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य शांतिलाल नलवाया, कनक नंदावत सहित पूर्व अध्यक्ष विनोद नंदावत, रितेश पामेचा, कुलदीप नंदावत आदि उपस्थित थे। युवा टीम के अध्यक्ष कुशल मेहता, मंत्री विरल पितलिया, नवीन मेहता, विपुल धींग व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय संस्था दादी धाम प्रचार समिति ने ब्रेवहार्ट सेंटर के कैंसर से पीड़ित बच्चों को सहायता दी। संस्था की तरफ से बच्चों के लिए टिफिन बॉक्स, वाटर बोतल, बीकलर बुक, कलर पेन्सिल, टिफिन बॉक्स सहित राशन सामग्री दी गई। साथ ही बच्चों के साथ फ्रूट केक कटवाया गया। इस मौके पर वेणु गोपाल जादूगर ने जादू का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की संयोजिका रचना डालमिया ने संचालन करते हुए बताया कि युवा टीम के सदस्य संदीप टेकड़ीवाल, नेहा टेकड़ीवाल, ऋषभ खेतान, राहुल अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, राघव चौधरी, चयन अग्रवाल, प्रशांत धीरासरिया, अनंत केडिया ने सेवा कार्य में सहयोग दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल,सचिव संजय चौधरी, जया चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी सहित सदस्य उपस्थित थे।

परिषह को जीतने वाला होता है सच्चा साधक : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनिजी ने सोमवार को भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के दूसरे अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में कोई कष्ट, दुख, परिषह आ जाए तो उसे उन्हें अपने पूर्व उपार्जित कर्मो का फल समझकर साधना काल में उपस्थित हुए सभी सम-विषम परिषहों को जो समभाव पूर्वक सहन करता है वही सच्चा आत्म विजेता निर्ग्रंथ साधक है। साधक के बाइस परिषह पर चर्चा करते हुए मुनिश्री ने कहा कि शक्ति होते हुए भी सहन करना, उसका नाम है सहनशक्ति। भगवान महावीर ने भी अपने साढ़े बारह वर्ष के साधना काल में आने वाले अनेक घोर

परिषहों को अत्यंत समभाव से सहन किया और उन्हें अपने पूर्व के किए गए कर्मों का कर्जा समझ कर समभाव सहनशीलता से अपने सब कर्मों का भुगतान किया। जो साधक तप, संयम साधना, धर्म की आराधना करते हैं उनके किए कर्मों की निर्जरा होती रहती है और आगे भी शुभ कर्मों का बंध होता है। आप जितना सहन करोगे उतना आपका कर्मों का कर्जा चुकता जाएगा। इच्छाओं का निरोध करना ही तप है।ङ्कशालिभद्र मुनि जी म सा ने एक प्रेरक भजन के माध्यम से कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में कभी भी अपने परम उपकारी भगवान, अपने माता पिता, जीवनदाता और परम उपकारी गुरु का उपकार नहीं भूलना चाहिए। मुनिश्री ने 18 दिवसीय पुण्य निदान तप की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी से इस तप साधना में जुड़ने का आह्वान किया।

प्रारंभ में साध्वीश्री समृद्धि श्री जी ने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण, हृदय में पवित्रता और सही दिशा में जीवन जीने का तरीका इन तीन शिक्षा सूत्रों को अपनाने पर व्यक्ति का जीवन भी सुखी समृद्ध खुशहाल बन सकता है। अनेक भक्तों ने उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। महावीरचन्द श्रीपाल मेहता परिवार तपस्वियों का सम्मान किया गया।

गणेशोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आरटीनगर स्थित बिहार भवन में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद युवा मंच द्वारा गणेश पूजा का आयोजन किया गया। पंडित राजगुरु के मार्गदर्शन में पूजा के यजमान मनोज कुमार प्रसाद परिवार ने विधि विधान से गणेश पूजा की। आशीष मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस गणेश पूजा में अजीत कुमार, रवि रंजन कुमार, प्रवीण कुमार, दीपेश कुमार, राजा सिंह, अमित झा, मनोहर शाह, अभिषेक सिंह, आलोक कुमार, अभिषेक कुमार एवं अन्य सहयोगी उपस्थित थे। गायिका श्रेया सिंह द्वारा संगीत, भजनों की प्रस्तुति दी गई।

आलसी मनुष्य संसार में मृत के समान : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जिस मानव हृदय में भक्ति नहीं है, वह मानव मानव नहीं है। जिसमें भगवान के प्रति आस्था नहीं है, श्रद्धा नहीं है वह जीवित शव के समान हैं। ऐसा मनुष्य जीते जी मृत होता है। इसलिए इस दुनिया में गरीब होना भी बहुत बड़ा पाप है। गरीब को उसका बाप-भाई भी नहीं पूछता है। आज का जमाना पैसे का है। पहले के समय में गुणों का आदर होता था। गुणवान मनुष्य का आदर होता था। पैसा हो या न हो लेकिन गुण है तो उनका आदर होता था।

लोग गुणवान मनुष्य का सम्मान करते थे लेकिन अब ऐसा बिल्कुल नहीं है। अब लोग ज्ञान गुण नहीं बल्कि पैसा देखते है। पैसों की ही कदर होती है। गरीब मनुष्य अगर समाज में आ जाए तो वहां भी उसकी इज्जत नहीं होती है। गरीब का कोई अपना नहीं होता है। गुरुदेव ने कहा कि आलसी मनुष्य अपने आलस्य से मृत है और गरीब मनुष्य मजबूरी में मृत है। दुनिया में कुछ ऐसा मामला है कि पैसा है तो सब है। पैसा नहीं है तो कोई मदद के लिए भी नहीं आता है। गरीब सभी को देखता है लेकिन उसको कोई नहीं देखता है, इसलिए समय रहते अच्छा कर लेना चाहिए। समय बहुत बलवान होता है। इन सभी श्रेणियों से निकलकर गुरु के चरणों में चले जाना चाहिए। इस मौके पर कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

स्पाइसजेट की उड़ान में बीच हवा में आई तकनीकी खामी, पुणे में आपात स्थिति में उतरी

मुंबई/भाषा। पुणे से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई जिस वजह से इसे वापस लौटना पड़ा और आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और यात्रियों को विमान से उतारा गया। स्पाइसजेट बोइंग 737 विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से पुणे हवाई अड्डे वापस लौटना पड़ा।

शरीर पर आसक्ति हमें जप, तप से रोकती है : साध्वी शशिप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी इंदुप्रभा जी ने सोमवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राग और द्वेष ही सभी कर्मों के बीज हैं। यह एक बंधन है और जब तक हम इन्हें बंधन नहीं मानेंगे, तब तक हम मुक्त होने का पुरुषार्थ भी नहीं करेंगे। राग की आसक्ति जीवन के बाग में आग लगा देती है। चार गति, पांच जाति और चौबीस दंडक में इस जीव को राग द्वेष और मोह ही भटकाता है। साध्वी निपुणप्रभाजी ने कहा कि सत्संग आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। सत्संग से ज्ञान का विकास होता है और संसार की असारता का भान होता है। सत्संग से कुमति दूर होती है और चित्त निर्मल होता है। पाप की निर्जरा होती है और अनुकंपा भाव बढ़ते हैं। जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुर्गति की बीमारी कट जाती है। सत्संग से आत्मविकास होता है और जीवन गुणों की सौरभ फैलती है। सभा में खुशी कोठारी ने 10 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन किया।

घर-घर मांग कर लाई 'पहली रोटी गाय की' से की गौसेवा

ग्रीनेज गौ सेवा समिति ने शुरू किया अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय संस्कारों के अनुरूप अपने घरों से गौ माता के लिए पहली रोटी नियमित रूप से निकाली जाती थी, कालांतर में हर जगह गाय की उपलब्धता न होने के कारण यह संस्कार विलुप्तता की ओर है। परिणामस्वरूप हमारे घरों की महिलाएं चाहते हुए भी गौ माता को रोटियां देकर सेवा नहीं कर पातीं। इस नियम और गौसेवा के संकल्प को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से बोम्मनहल्ली स्थित सत्वा ग्रीनेज गौ सेवा समिति द्वारा 'पहली रोटी गाय की' नाम पहल की शुरुआत की है। संस्था के सदस्य मनीष मेहनसरिया, देवेंद जायसवाल, ओमप्रकाश वर्मा सहित अन्य सदस्य स्वयं अपने व आसपास के अपार्टमेन्ट सोसाइटी के घर-घर जाकर रोज रोटी का संग्रह कर रहे हैं और ये संग्रहित रोटियां आसपास की गौशाला में पहुंचा रहे हैं।

प्रतिदिन करीब 400 रोटियां गौशाला में पहुंचाई जा रही हैं। समिति प्रत्येक रविवार को गौसेवा के लिए गौभक्तों को आमंत्रित भी कर रही है। रोज 'एक रोटी गौ माता के लिए' अभियान को सफल बनाने के लिए ग्रीनेज सोसाइटी एवं टेंपल ट्री सोसाइटी के सभी निवासी जुटे हुए हैं ।

लोक-कल्याण में समर्पित थे गुरुदेव अमरमुनि : वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने गुरुदेव अमरमुनिजी की हीरक जयंती पर उनका गुणगान करते हुए कहा कि उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्रुताचार्य गुरुदेव श्री अमर मुनिजी ने अपने उदात्त आचार, विचार और धर्म-प्रचार से मानव-समाज को एक नई दिशा दी। अविभाजित भारतवर्ष के क्वेटा बलूचिस्तान(वर्तमान पाकिस्तान) में एक प्रतिष्ठित क्षत्रिय कुल में जन्मे बालक अमरनाथ लुधियाना में विराजित आचार्यश्री आत्मारामजी के सान्निध्य में आए। आचार्यश्री के दिशादर्शन में गुरुदेव भण्डारी श्री पद्मचन्द्र जी के सान्निध्य में वर्ष 1951 के दिन सोनीपत शहर में गुरुमुख से दीक्षा-मंत्र ग्रहण कर अमरनाथ अमर मुनि बने। अमरमुनिजी के शिष्य वरुणमुनिजी ने कहा कि अमरमुनिजी एक ओजस्वी और रससिद्ध प्रवक्ता थे। जैसे दीप स्वयं जलकर प्रकाश बांटता है, अगरबत्ती स्वयं जलकर सुगंध फैलाती है, वैसे ही अमर गुरुदेव भी स्वयं की साता-असाता से ऊपर उठकर अहर्निश लोक-कल्याण में समर्पित थे। उनके सद्गुणों को सीमित शब्दों में समेटना संभव नहीं है। उन्होंने अपनी धर्म-देशनाओं और प्रभावक प्रेरणाओं द्वारा उन्होंने लाखों लोगों को

कुव्यसनों से मुक्त किया और जैन-अजैन लोगों को दैनिक धर्मध्यान, सामायिक, माला, प्रभु-स्मरण से जोड़ा। सैकड़ों स्थानों पर उनकी प्रेरणा से अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यार्थियों के लिए पुस्तकें-कॉपी एवं पाठ्य सामग्री तथा फीस आदि प्रबंधन के कार्यक्रम शुरू किए गए जो आज भी निराबाध चल रहे हैं। मुनिश्री ने बताया कि अमरमुनिजी की प्रेरणा से उत्तर भारत में सैकड़ों, धर्मस्थानकों, धर्मशालाओं, अस्पतालों, डिस्पेंसरी, पुस्तकालयों, सिलाई-सेंटरों आदि की स्थापना भी हुई। गुरुदेव ने ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक अमूल्य ग्रन्थों की रचना की और उनका समाज में वितरण कराया। गुरुदेव की सबसे बड़ी देन है जैनागमों का हिन्दी-अंग्रेजी में अनुवादन एवं ललित चित्र सहित प्रकाशन कराना। मुनिश्री ने कहा कि हमें इस पावन दिवस पर गुरुदेव को स्मरण करते हुए भक्ति-भाव से उनका गुणार्चन करना चाहिए।

शाह ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, पीड़ितों को राहत का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित जम्मू का दौरा किया और कुछ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी थे और उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। शाह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुंचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद वह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए जम्मू हवाई अड्डे के पास स्थित एवं बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक मांगूचक के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें उचित राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया। शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। मांगूचक निवासी भान सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गृह मंत्री मेरे घर आए और राहत का आश्वासन दिया... पिछले सप्ताह आई बाढ़ के बाद मेरे घर में कुछ भी नहीं बचा है। अधेड़ उम्र के सिंह ने कहा कि उन्होंने जिंदगी में ऐसी बाढ़ कभी नहीं देखी। एक अन्य निवासी चैन दास ने कहा कि बाढ़ में पूरा गांव डूब गया लेकिन वह भाग्यशाली थे कि वह बच गए। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि गृह मंत्री हमारे घर आए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्राधिकारी पानी निकलवा देंगे और ऐसे कदम उठाएंगे कि बाढ़ दोबारा न आए।

वाहनों की बिक्री अगस्त में पड़ी सुस्त, जीएसटी कटौती की आस में मांग घटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में वाहनों की बिक्री अगस्त में सुस्त रही। मांग घटने की वजह से मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों की थोक बिक्री में खासी गिरावट आई है। कई संभावित खरीदारों के जीएसटी कर दरों में संशोधन का इंतजार करने और अपनी खरीदारी को टाल देने से वाहन बिक्री में यह गिरावट आई है।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसई) के यात्री वाहनों की पिछले महीने घरेलू बाजार में थोक बिक्री आठ प्रतिशत गिरकर 1,31,278 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी महीने में 1,43,075 वाहनों की बिक्री हुई थी। मारुति की छोटी कारों की बिक्री साल भर पहले के 10,648 वाहनों से घटकर 6,853 वाहन रह गई। हालांकि, इसकी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री एक साल पहले के 58,051 वाहनों से बढ़कर 59,597 वाहन हो गई। मारुति के यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 14 प्रतिशत घटकर 54,043 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 62,684 इकाई थी। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि जीएसटी सुधार का वाहन उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जहां तक अगस्त में बिक्री में आई गिरावट का सवाल है तो कंपनी ने इस महीने डीलरों तक अपने वाहन वितरण को नियंत्रित किया है।

बनर्जी ने बताया कि अगस्त में वाहन उद्योग की थोक बिक्री में सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा होते ही परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा।

मारुति सुजुकी के पास लगभग 1.5 लाख वाहनों की बुकिंग है और उसके पास त्योहारों के मौसम में बिक्री के लिए 48-50 दिन का वाहन स्टॉक मौजूद है। हुंदै मोटर इंडिया की घरेलू बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत घटकर 44,001 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 49,525 इकाई थी। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, हमारा लक्ष्य भारत को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक रणनीतिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना और दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनाना है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में उसके यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 39,399 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 43,277 इकाई से नौ प्रतिशत कम है। एमएंडएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वाहन खंड) नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, जीएसटी दर की अंतिम घोषणा करीब आने के साथ हमने जानबूझकर अपने डीलरों के पास मौजूद स्टॉक को कम करने के लिए थोक सौदे कम करने का फैसला किया है। टाटा मोटर्स ने भी पिछले महीने डीलरों को भेजे जाने वाले यात्री वाहनों में सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने पिछले महीने 41,001 वाहन बेचे जबकि अगस्त 2024 में यह आंकड़ा 44,142 वाहन था।

भारत ने नियमों का पालन किया, रूसी तेल से लाभ नहीं उठाया: हरदीप पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत ने रूसी तेल खरीदने में किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है बल्कि यूक्रेन युद्ध के बाद से उसके ऊर्जा व्यापार ने वैश्विक बाजारों को स्थिर करने एवं कीमतों को काबू में रखने में मदद की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए पुरी ने यह बात कही। नवारो ने भारत पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 'युद्ध मशीन' को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया। समाचार पत्र 'द हिंदू' के लिए लेख में पुरी ने मुनाफाखोरी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारत लंबे समय से और फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से बहुत पहले से पेट्रोलियम उत्पादों का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है। इसके निर्यात की मात्रा एवं मुनाफे मोटे तौर पर समान रहे हैं। उन्होंने नवारो का प्रत्यक्ष तौर पर नाम लिए बिना लिखा कि कुछ आलोचकों का आरोप है कि रूसी तेल को खरीद करके 'युद्ध मशीन' को वित्तपोषित करने वाला बन गया है। यह पूरी तरह से गलत एवं असत्य है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत का रूसी तेल आयात कुल कच्चे तेल की खपत का एक प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो गया। इसकी प्रमुख वजह यह है कि पश्चिमी देशों ने रूस को युद्ध के लिए दंडित करने के लिए उस पर प्रतिबंध लगाए और इससे भारत को खरीद में भारी छूट दी गई। इस कदम से भारत के लिए सस्ती ऊर्जा तो सुनिश्चित हुई लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने इसकी आलोचना की है। अमेरिका का आरोप है कि भारत, रूसी कच्चे तेल को परिष्कृत करके और यूरोप सहित अन्य देशों को निर्यात करके मुनाफा कमा रहा है।

जम्मू, पंजाब और हिमाचल में 5,000 नागरिकों को बचाया गया : सेना की पश्चिमी कमान

चंडीगढ़/भाषा। बाढ़ से प्रभावित जम्मू, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में 5,000 से अधिक नागरिकों को बचाया गया और 21 टन राहत सामग्री प्रदान की गई। सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारतीय सेना की पश्चिमी कमान बाढ़ प्रभावित राज्यों में व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान संचालित कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि तत्काल राहत पहुंचाने के लिए सेना विमानन और भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर सहित कुल 47 टुकड़ियों को सक्रिय किया गया है। अधिकारी ने कहा कि साथ ही इंजीनियर, चिकित्सा और संचार संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मेजर जनरल पुनीत आहूजा और कर्नल इकबाल सिंह अरोड़ा द्वारा पंचकूला के चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमान मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी गई।

सेना ने 16 अगस्त को अभियान शुरू किया था। कर्नल अरोड़ा ने कहा, जवानों, अभियंताओं, चिकित्सा टुकड़ियों, विमानन परिसंपत्तियों को जिंदगियों की रक्षा करने और आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए अल्प सूचना पर जुटाया गया है।

मुख्यमंत्री ने सिद्धारमणहुंडी में पीएमश्री कर्नाटक पब्लिक स्कूल के नए भवन का उद्घाटन किया

मैसूरु/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि मेरे गृहनगर का ऋण मुझ पर सदैव रहेगा। वरुणा विधानसभा क्षेत्र के सिद्धारमणहुंडी में पीएमश्री कर्नाटक पब्लिक स्कूल के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। मेरे गृहनगर के जिस स्कूल में मैंने पाँचवीं से सातवीं तक पढ़ाई की, उसे केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने गोद ले लिया है। नए भवन का निर्माण शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस भवन का उद्घाटन बहुत खुशी के साथ किया। यहाँ प्राथमिक, उच्च विद्यालय और पीयू कॉलेज चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिग्री कॉलेज के लिए छात्र नहीं होने के कारण डिग्री पाठ्यक्रम शुरू नहीं किया गया है। लेकिन उन्होंने कहा कि शहर में बीसीएम छात्रावास, पशु चिकित्सालय, पुस्तकालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा, जिसने सरकार का विकास नहीं देखा, झूठ के अलावा कुछ नहीं जानती।

'दपरे' ने मृतक कर्मचारी के परिवार को 1 करोड़ दिए

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने अपनी रेलवे वेतन पैकेज (आरएसपी) योजना के तहत हुब्बल्ली मंडल के एक मृतक कर्मचारी के परिवार को 1 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह सहायता हुब्बल्ली मंडल के अस्पताल सहायक स्वर्गीय चन्नबसप्पा कुंभारा के परिवार को प्रदान की गई है, जिनका मार्च 2025 में निधन हो गया था। दावा राशि 28 अगस्त को मृतक कर्मचारी की पत्नी मल्लम्मा कुंभारा के बैंक खाते में सीधे जमा कर दी गई है। इसके साथ ही, परिवार को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ और अन्य निपटान देय राशि भी प्रदान की गई है।

इस अवसर पर, दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, जीवन का कोई समाधान नहीं है, लेकिन दक्षिण पश्चिम रेलवे प्रशासन कठिन समय में अपने कर्मचारियों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ा है। हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में हुब्बल्ली मंडल की मंडल प्रबंधक बेला मीणा, दक्षिण पश्चिम रेलवे की मुख्य श्रम अधिकारी सुवर्णा देशपांडे और वरिष्ठ मंडल श्रम अधिकारी आर. प्रसाद एस. इचंगीमठ के सहयोग और भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों के सहयोग से संभव हुआ। इस अवसर पर, एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने रेलवे और एसबीआई के बीच मजबूत साझेदारी पर प्रकाश डाला। रेलवे पेंशन पैकेज (आरएसपी) एक ऐसी योजना है जिसे रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को असामयिक मृत्यु की स्थिति में व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्य कर्मचारियों के कल्याण के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

केएमएफ ने नंदिनी घी और मिठाइयों को अमेरिका में लॉन्च किया

केएमएफ के लिए एक बड़ी उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/लेकलैंड/दक्षिण भारत। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) ने फ्लोरिडा के लेकलैंड में आयोजित 8वें नाविका विश्व कन्नड़ शिखर सम्मेलन 2025 में अपने प्रमुख उत्पाद नंदिनी घी और मिठाइयों को अमेरिका में लॉन्च करने की घोषणा की। आधिकारिक लॉन्च केएमएफ के प्रबंध निदेशक शिवास्वामी द्वारा किया गया। मंच पर कूलू सुपर फूड्स, जो अमेरिका में नंदिनी घी का आधिकारिक आयातक है, के निदेशक कुमार, नाविका के अध्यक्ष शिवकुमार, नाविका के संयोजक हर्षित गौड़ा भी मौजूद थे। उन्होंने वैश्विक बाजारों में कर्नाटक के स्वाद को बढ़ावा देने के लिए अपना समर्थन जताया।

शिवास्वामी ने कहा, 'अमेरिका में नंदिनी घी और मिठाइयों का शुभारंभ केएमएफ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह किसानों के गौरव और कर्नाटक के प्रामाणिक स्वाद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि वैश्विक उपभोक्ता नंदिनी से जुड़ी शुद्धता, परंपरा और विश्वास का अनुभव करेंगे।' इस अवसर पर प्रतिभागियों और आगंतुकों को नंदिनी उत्पादों के नमूने दिए गए। खरीदारी के लिए एक कियोस्क स्थापित किया गया, जिसे लोगों की ओर से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

स्वागत

मैसूरु हवाई अड्डे पर सोमवार को यहां आगमन पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, राज्यपाल थावरचन्द गहलोत एवं अन्य गणमान्य।

'धर्मस्थल चलो' रैली हिंदू आस्था के खिलाफ साजिश का पर्दाफाश करने के लिए आयोजित की गई : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में अति-वामपंथी धड़े की साजिश का पर्दाफाश' करने के लिए 'धर्मस्थल चलो' रैली का आयोजन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार हिंदू आस्था केंद्रों और उनकी मान्यताओं को बदनाम' करने की कोशिश कर रही है। वह रैली के इतर बोल रहे थे, जिसका आयोजन पार्टी द्वारा धर्मस्थल के खिलाफ बदनामी अभियान की निंदा करने के लिए किया गया था। भाजपा ने इस मामले की एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) जांच की भी मांग की है। जोशी ने दावा किया, धर्मस्थल चलो का उद्देश्य कांग्रेस सरकार में अति-वामपंथी धड़े की साजिश का पर्दाफाश करना है, जो देश के सभी हिंदू आस्था केंद्रों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। वे हमेशा हिंदू समाज को निशाना बनाते हैं और एकतरफा वोट बैंक की राजनीति करते हैं।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इन सभी चीजों को उजागर करने के लिए हम आज यहां हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने धर्मस्थल मामले को ''100 प्रतिशत एक साजिश' बताया और कहा कि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने खुद कहा था कि 'एक साजिश' थी।

जोशी ने कहा, ''एक ऐसे व्यक्ति की शिकायत के आधार पर, जिसकी पृष्ठभूमि ज्ञात नहीं है, मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। स्थानीय पुलिस द्वारा पहले उसकी पृष्ठभूमि की पुष्टि करने के सुझाव के बावजूद ऐसा किया गया। विशेष जांच दल के गठन के बाद, धर्मस्थल में हर जगह खुदाई शुरू हो गई। हमने एसआईटी द्वारा जांच करने का स्वागत किया था, न कि पूरे क्षेत्र में खुदाई करने का।''

धर्मस्थल मंदिर में दर्शन के उपरांत धर्माधिकारी वीरेन्द्र हेगड़े से मुलाकात करते हुए कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा, विपक्ष के नेता आर अशोक एवं अन्य नेतागण।

धर्मस्थल मामले में 'बहुत बड़ी साजिश', जांच एनआईए या सीबीआई को सौंपी जाए : विजयेंद्र

धर्मस्थल/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को दक्षिण कन्नड जिले के धर्मस्थल में एक रैली आयोजित कर शहर में कई हत्याओं, बलात्कारों और दफनाने के आरोपों की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की। भाजपा के मुताबिक पूरे कर्नाटक से लगभग एक लाख लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पार्टी के मुताबिक यह धर्मस्थल के मंदिर और उसकी परंपराओं को ''बदनाम करने के प्रयास'' के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन था। 'धर्मस्थल चलो' नाम से आयोजित रैली में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, सांसद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। विजयेंद्र ने रैली को संबोधित करते हुए केंद्र से इस मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हिंदू समुदाय को न्याय दिलाने में 'विफल' होने का आरोप लगाया।

उन्होंने 2003 में लापता हुई एक युवती के लम्बे समय से लंबित मामले का भी सदर्भ दिया और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए पार्टी के समर्थन को दोहराया। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य कर्नाटक के सबसे प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों में से को ''बदनाम करने के अभियान'' का मुकाबला करना था। कांग्रेस सरकार ने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। हालांकि, भाजपा का कहना है कि केवल एक केंद्रीय एजेंसी ही पारदर्शी जांच सुनिश्चित कर सकती है। इससे पहले दिन में, विजयेंद्र और अशोक ने भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मंजूनाथ मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े से भी मुलाकात की।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब एन चिन्नैया नामक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में दर्जनों शव-जिनमें यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं के शव भी शामिल हैं-दफनाए गए हैं। चिन्नैया को झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

चंद्रयान-3 के लैंडर, रोवर के आंकड़ों के विश्लेषण के लिए वैज्ञानिक समुदाय से प्रस्ताव आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को अवसर की घोषणा (एओ) जारी कर वैज्ञानिक समुदाय को चंद्रयान-3 लैंडर और रोवर के प्रयोगों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण और उपयोग में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई, 2023 को चंद्रमा की सतह पर जाकर अध्ययन करने के लिए प्रक्षेपित किया गया था।

बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने भारत के मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और सरकारी संगठनों के संकाय और शोधकर्ताओं से प्रस्ताव मांगे हैं। प्रस्ताव जमा करने की समय सीमा 21 अक्टूबर है।

इसरो द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए और पेलोड ने एक चंद्र दिवस के लिए लैंडिंग क्षेत्र की भूकंपनीयता, ताप-भौतिक गुणों, प्लाज्मा पर्यावरण और तात्विक संरचना से संबंधित आंकड़ा एकत्र किया। विज्ञप्ति में कहा गया, पेलोड टीमों ने आंकड़ों का विश्लेषण किया और उन्हें प्रतिष्ठित विशेषज्ञ-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया। विज्ञान संबंधी आंकड़ों की संबंधित विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की गई है और 23 अगस्त, 2024 को जनता के लिए जारी किया गया है। अब, इसरो ऐसे नवीन अनुसंधान प्रस्तावों की तलाश कर रहा है जो इच्छित विज्ञान के संदर्भ में पेलोड की क्षमता को समझते हों।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कन्नड़ सीखने की बात कही; सभी भाषाओं, परंपराओं के सम्मान पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि वह कन्नड़ सीखने का प्रयास करेंगी और इस बात पर जोर दिया कि वह देश की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा का बहुत सम्मान करती हैं। अखिल भारतीय वाक् एवं श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह में मुर्मू ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को जवाब देते हुए यह कहा, जिन्होंने कन्नड़ में सभा को संबोधित किया था और मंच पर बैठे गणमान्य लोगों से पूछा था कि क्या वे कन्नड़ भाषा समझते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री को बताना चाहूंगी कि हालांकि कन्नड़ मेरी मातृभाषा नहीं है, फिर भी मैं अपने देश की सभी भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का बहुत सम्मान करती हूं। मैं उनमें से प्रत्येक का बहुत सम्मान करती हूं।'' मुर्मू ने सभी से अपनी भाषाओं को बरकरार रखने तथा अपनी परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ''मैं कामना करती हूं कि सभी अपनी भाषा को बरकरार रखें, अपनी परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित रखें और उस दिशा में आगे बढ़ें। मैं इसके लिए अपनी शुभकामनाएं देती हूं। और मैं निश्चित रूप से धीरे-धीरे कन्नड़ सीखने का प्रयास करूंगी।'' इससे पहले दिन में, मुर्मू का मैसूरु हवाई अड्डे पर राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

भीड़ प्रबंधन के बेहतर प्रोटोकॉल के लिए बीसीसीआई , केएससीए के साथ काम कर रहे हैं : आरसीबी

बेंगलूरु। 'आरसीबी केयर्स' की विस्तृत जानकारी देते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने सोमवार को कहा कि फाउंडेशन आईपीएल और कर्नाटक प्रदेश क्रिकेट संघ के साथ मिलकर भीड़ प्रबंधन के बेहतर प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है। इस साल आरसीबी की आईपीएल में पहली खिताबी जीत के जश्न के दौरान भगदड़ में 11 लोग मारे गए थे। मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान कर चुके आरसीबी केयर्स ने कहा कि 'इसकी स्थापना हमारे 12वें सदस्य के सहयोग, सशक्तिकरण और तरक्की के लिये की गई है।' फाउंडेशन में इस लक्ष्य को पाने के लिये छह बिंदुओं का फार्मूला बताया गया है लेकिन सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही इस पर अमल हो सकता है। इसके एजेंडे में वित्तीय सहायता से इतर भी सहयोग मुहैया कराना शामिल है।

इसमें बेहतर भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल के लिये स्टेडियम अधिकारियों, खेल ईकाइयों और लीग साझेदारों से भी मिलकर काम करने की इच्छा जताई गई है। फ्रेंचाइजी ने प्रशंसक सुरक्षा आडिट ढांचा भी तैयार करने का वादा किया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: E-GSU-ELE-2025-26-OT-4
दिनांक: 26.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग (एसबीसी)	रु. 1,44,03,265.76

पर अमृत भारत परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित यात्रियों का लिफ्ट और एस्कलेटरों के लिए विद्युत की व्यवस्था।

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.09.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/गति शक्ती यूनिट/बेंगलूरु

PUB/421/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, उपर्युक्त निलामी सूची में निर्धारित अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाताओं को निम्नलिखित सेवा के लिए ई-निलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम	इसका स्थान
छह (6) प्लॉटफार्म स्टालों के लिए अनुबंध का पुरस्कार: पीएफ - 2 एवं 3 - कोप्पल (केबीएल), पीएफ - 2 एवं 3 - बागलकोट (बीजीके) ('बी' वर्ग एसएमयू), पीएफ - 1 होले आलूर (एचएलएआर) ('डी' वर्ग), पीएफ - 1 - सिंधनूर (एसएनएआर), पीएफ - 1 - गुलेदगुड्डा रोड़ (जीईडी), पीएफ - 1 गिनिगेरा (जीआईएन) ('ई' वर्ग) (ई-निलामी केटलॉग नं.: PFS-6UNITS-2025 दिनांक: 26.08.2025)	

ई-निलामी की तिथि: 10.09.2025, 10:30 बजे से 11.50 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में (ई-निलामी पोर्टल)

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/हुबली विभाग

PUB/425/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, उपर्युक्त निलामी सूची में निर्धारित अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाताओं को निम्नलिखित सेवा के लिए ई-निलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम	इसका स्थान
चार (4) विविदोद्देशीय स्टालों (एमपीएस) के लिए अनुबंध का पुरस्कार: पीएफ - 1 - गदग (जीडीजी) (कोप्पल अंत की ओर पर), पीएफ - 1 - रायबाग (आरबीजी) (मीरज अंत की ओर पर), पीएफ - 1 - हगरिबोम्मनहल्ली (एचबीआई) और पीएफ - 2 - मुनिराबाद (एमआरबी) (करुगनूरु की ओर पर) (ई-निलामी केटलॉग नं.: MPS-4UNITS-2025 दिनांक: 26.08.2025)	

ई-निलामी की तिथि: 10.09.2025, 12:00 बजे से 13:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में (ई-निलामी पोर्टल)

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/हुबली विभाग

PUB/426/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)

जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम

(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/पी/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		30 जून, 2025	30 जून, 2024	31 मार्च, 2025
		अनंकेक्षित	अनंकेक्षित	अनंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(56,522.43)	(12,181.34)	(6,72,677.24)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(59,155.98)	(14,397.78)	(39,34,954.39)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(59,155.98)	(14,397.78)	(39,34,954.39)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात्)**	(59,155.98)	(14,397.78)	(39,34,954.39)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयरधारकों का निधि)***	9,97,81,311.53	7,53,59,350.77	9,67,88,291.89
7.	संचिक कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित कोष को छोड़कर)	7,59,834.99	-	7,22,082.53
8.	सिक्योरिटीज प्रीमियम खाता	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
9.	नेटवर्थ (6+7)	10,05,41,146.52	7,53,59,350.77	9,75,10,374.42
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	2,41,61,222.04	3,34,37,014.66	2,44,60,647.30
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
12.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.24	0.44	0.25
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ...../- का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु) 1. बेसिक 2. डायल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण के पास भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां है, इसलिए संचालनों से कोई आय नहीं है।

**प्राधिकरण की लेखा नीति के आधार पर व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।

***शेरयधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण की कटौती के पश्चात् जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।

****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि।

क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com एवं www.nse.india.com) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट (www.nhai.gov.in) पर उपलब्ध है।

ख) एलओडीआर निमय के विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइट (www.bseinida.com एवं www.nse.india.com) पर देखी जा सकती है।

दिनांक : 01.09.2025
स्थान : नई दिल्ली

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से
ह./-
सदस्य (वित्त)
ह./-
अध्यक्ष

सड़के ही नहीं, राष्ट्र का निमाण भी

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र

पहले ही दिन हंगामा : विधानसभा में वोट चोरी बनाम गालीबाज की जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए, तो भाजपा ने पलटवार में गालीबाज राहुल गांधी के नारे बुलंद किए। स्पीकर की बार-बार की समझाइश भी नाकाम रही और सदन का माहौल गरमाता चला गया। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने राहुल गांधी की भाषा शैली को मुद्दा बनाया। हंगामे के बीच झालावाड़ हादसे पर श्रद्धांजलि को लेकर विपक्ष ने सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए, वहीं खेजड़ी संरक्षण कानून और एसआई भर्ती जैसे मुद्दे भी गूंजते रहे।

कांग्रेस का 'वोट चोरी' नैरेटिव

पहले ही दिन कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराईं और नारे लगाए वोट चोर, गद्दी छोड़। यह नारा महज़ शोरगुल नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पहले से ही देशभर में 'चुनाव चोरी' का मुद्दा उठाती आ रही है। सचिन पायलट ने विधानसभा में इसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कुछ लोग बार-बार वोट चोरी कर सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। यह संदेश केवल राजस्थान की राजनीति तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुई हार का राजनीतिक स्पष्टीकरण गढ़ना चाहती है।

कांग्रेस की आक्रामकता का जवाब भाजपा विधायकों ने भी उतनी ही तेज़ी से दिया। सदन में नारे लगे गालीबाज राहुल गांधी। सरकारी मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग ने मीडिया के सामने यह लाइन और सख़्त की गालीबाज कांग्रेस है, इसका रिकॉर्ड है और वीडियो भी सबूत हैं। यहां भाजपा की रणनीति साफ़ है वह कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे चुनाव आयोग और वोट चोरी के सवाल को सीधे संबोधित नहीं कर रही, बल्कि राहुल गांधी की भाषा-शैली को ही मुद्दा बनाकर चर्चा को भावनात्मक और व्यक्तिगत स्तर पर मोड़ना चाहती है।

स्पीकर वासुदेव देवनानी को बार-बार दोनों दलों को टोकना पड़ा। उनका कथन यहां बाजार या चौराहे जैसी हरकतें नहीं हो सकतीं विधानसभा की गिरती मर्यादा की ओर सीधा संकेत था। राजनीतिक विश्लेषण यह बताता है कि आज सदन का संचालन किसी भी स्पीकर के लिए आसान नहीं रह गया है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी लाइन पर इतने अड़े रहते हैं कि विधायी कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि झालावाड़ स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी गई?यहाँ कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को संवेदनहीन बताने की कोशिश की। बड़ी घटनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर हुई मौतों पर श्रद्धांजलि दी गई, लेकिन स्थानीय त्रासदी की अनदेखी पर सवाल खड़ा करना विपक्ष की रणनीति में मानवीय कोण जोड़ता है।

हंगामे के बीच भी विधानसभा में दूसरे स्वर गूंजे। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी संरक्षण कानून की मांग उठाई और पोस्टर तक लहराए। गृह राज्य मंत्री ने ख्ख भर्ती पर कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होगी, निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाएगा। ये दोनों बिंदु बताते हैं कि जबकि सत्ता और विपक्ष का बड़ा नैरेटिव वोट चोरी बनाम गालीबाज पर टिका रहा, वहीं स्थानीय और प्रशासनिक मुद्दों को उठाने की कोशिश भी हुई।

सत्र को पूरी तरह वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षधरता जैसे मुद्दों पर केंद्रित करना। इससे वह भाजपा की जीत की वैधता पर लगातार सवाल उठाना चाहती है। राहुल गांधी की छवि को कमजोर करना और कांग्रेस को गालीबाज पार्टी साबित करना, ताकि असल आरोपों की चर्चा दब जाए। सदन में नारेबाज़ी और हंगामा आमजन के लिए यह संकेत है कि आने वाले दिनों में विकास और विधायी कामकाज से ज़्यादा जोर राजनीतिक बयानबाज़ी पर रहेगा। मानसून सत्र का पहला दिन यह तय कर गया है कि आने वाले दिनों में सदन में बहस कम और हंगामा ज़्यादा होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने पॉलिटिकल नैरेटिव फिक्स कर दिए हैं , बीच में चाहे खेजड़ी संरक्षण का सवाल हो, एसआई भर्ती का विवाद हो या झालावाड़ हादसे का दर्द, इन मुद्दों को कितना स्पेस मिलेगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि दोनों बड़ी पार्टियां अपने शोर-शराबे से उन्हें कितना दबाती हैं या जगह देती हैं।

भगवान विग्रह की शोभायात्रा के साथ ही तीन सितंबर से शुरु होगा डोल मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में ही नहीं पड़ोसी मध्य प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों तक ख्याति प्राप्त कर चुके बारां के लोकजीवन का प्रतीक, धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत प्रसिद्ध डोल मेला इस वर्ष भी भाद्रपद शुक्ला जलझूलनी ग्यारस को शहर के विभिन्न पांच दर्जन मन्दिरों के विमानों (डोल) में विराजे भगवान की निकलने वाली शोभायात्रा के साथ तीन सितम्बर को प्रारंभ हो जायेगा। डोल शोभायात्रा मेला अन्य राज्यों के कोटा संभाग के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के कई कस्बाई क्षेत्रों से व्यापारी इस मेले से खरीद-फरोख्त के लिए आते हैं।

यद्यपि मेले का यूं तो अपना आकर्षण होता है, लेकिन बारां के डोल मेले का आकर्षण पूरे शहर के विभिन्न जातियों के मन्दिरों से देव विमानों (डोल) की गाजे- बाजों से निकलने वाली शोभायात्रा है। इस शोभायात्रा को देखने के लिये भारी संख्या में नर-नारी, बच्चे, नौजवानों की भीड़ उमड़ती है। विमानों की शोभायात्रा के आगे भजन कीर्तन मण्डलियां होती है और उसके आगे युवकों एवं अखाड़ेबाजों के मल्ल और शारीरिक कौशल के अनूठे हैरत अंगेज कर देने वालें करतबों को देखकर तो दर्शनार्थी दांतों तले उंगली दबा लेते हैं।

अखाड़ों के करतबों को दिखाने की यह परम्परा कहते हैं, डोल मेले के साथ ही प्रारंभ हुई। डोल शोभा यात्रा को लेकर कई मान्यतायें प्रचलित हैं। कहते हैं इस दिन भगवान श्रीविग्रह अपने विमान यानी डोल में बैठकर विचरने निकलते हैं। दूसरी यह कि इस दिन श्रीकृष्ण की माता गाजे-बाजों के साथ कृष्ण जन्म के 18वें दिन सूर्य एवं जलवा पूजन के लिए घर से निकलती हैं। कुछ का मानना है कि विभिन्न मन्दिरों में विराजे भगवान प्रकृति की हरियाली का वैभव एवं सौन्दर्य निहारने निकलते हैं। समय के साथ परम्परायें बदल जाया करती हैं, लेकिन बारां के साथ सत्य साबित नहीं हुआ। वर्षों पुरानी परम्परा अब भी कायम है।

श्रीकल्याणराय, श्रीजी मन्दिर से विमानों की शोभा यात्रा शुरू होती है। रघुनाथ मन्दिर का भी विमान सबसे आगे होता है। इस मन्दिर को राजमन्दिर कहा जाता है। यह विमान मन्दिर के बाहर आकर रूक जाता है, जहां श्रीजी और रघुनाथजी के विमान आपस में गले मिलते हैं। यह परम्परा अब भी जीवंत है। इस दृश्य को देखने हजारों लोग टूट पड़ते हैं और दर्शन पाकर धन्य समझते हैं। डोल शोभा यात्रा के दौरान बारां शहर के बाजारों और मकानों, दुकानों की छतों पर काफी तादाद में जनसमूह शोभायात्रा के दर्शनार्थ एकत्र हो जाता है। बुजुर्ग बताते हैं कि श्रीजी एवं रघुनाथ जी के विमान गले मिलने के बाद जब रघुनाथ मन्दिर का विमान आगे हो जाता है, तो स्वतः रास्ता भी हो जाता है।

इसे लोग भगवान की कृपा मानते हैं, फिर अन्य मन्दिरों के विमान कतारबद्ध होकर पीछे चलते हैं। शोभायात्रा में ऊंच-नीच की निरर्थक भावना परिलक्षित नहीं होती। विभिन्न जातियों के साथ वाल्मिकी समाज का अखाड़ा विमान भी होता है। विमानों की यह शोभायात्रा सांध्य होते ही डोलमेला स्थित तालाब पर पहुंच जाती है, जिसके किनारे यह विमान कतारबद्ध रख दिये जाते हैं, जहां देवी-देवताओं को नूतन जल से स्नान करवाया जाता है। उसके बाद शंखनाथ, घंटा, ध्वनि, झालर आदि कई वाद्ययंत्रों की ध्वनि एवं जय-जयकार के उद्घोषों के साथ सामूहिक महाआरती होती है। यह दृश्य भी काफी आकर्षक होता है। धार्मिक श्रद्धा, लोकानुरंजन एवं व्यवसाय का मिश्रित रूप बारां का यह डोल मेला काफी ख्याति अर्जित कर चुका है। बारां स्थित कल्याणराय श्रीजी का मन्दिर जहां से शोभायात्रा शुरू होती है, वह 600-700 वर्ष पुराना बताया जाता है। इतिहास में उल्लेख है कि बून्दी के महाराव सुरजन सिंह हाड़ा ने रणथम्भौर का किला अकबर को सौंप दिया था।

उस समय वहां से दो देव मूर्तियों को लाया गया था। उनमें एक रंगनाथ जी की और दूसरी कल्याणराय जी की थी। रंगनाथ जी की मूर्ति को बून्दी में स्थापित किया गया और कल्याणराय जी की मूर्ति को बारां लाया गया था। बून्दी की तत्कालीन महारानी ने यहां श्रीजी के मन्दिर का निर्माण करवाया और मूर्ति यहां स्थापित की। कल्याणराय जी के श्रीजी मन्दिर से सटी यहां एक मस्जिद भी है, जो जामा मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह मस्जिद मन्दिर के वर्षों बाद बून्दी की ही रानी ने बनवाई थी।

उस समय बारां जिले का शाहबाद उपखण्ड औरंगजेब की छावनी था। रानी को आशंका थी की उसके परिवार द्वारा बनाये गये श्रीजी के मन्दिर को मुस्लिम सम्राट क्षति पहुंचायेगा, इसलिए उन्होंने मन्दिर की रक्षा के लिए उक्त मस्जिद का निर्माण करवाया था। वर्तमान में यह मन्दिर-मस्जिद डोल मेला एवं शोभायात्रा के दौरान साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश भी देता है। हाड़ौती संभाग के बारां और इसके आसपास का बसा क्षेत्र जिसे राजस्थान के अनाज का कटोरा कहा जाता है।

महंत से मारपीट करने के मामले ने तूल पकड़ा

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का के पांडुपोल हनुमान मंदिर स्थित बूढ़े हनुमान मंदिर के महंत से मारपीट करने के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। संत के समर्थन में कुछ संगठन और सर्वसमाज के लोग उतर आये हैं। सोमवार को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी अलवर के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मिले और दोषियों को सजा देने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इन अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुये कहा कि बूढ़ा हनुमानजी मंदिर पाण्डुपोल, टहला आश्रम निवासी संत 1008 महंत महाराज के साथ 28 अगस्त को कुछ असामाजिक तत्वों ने मालाखेड़ा में बेहरमी से मारपीट की। उनके बाल खींचे गये, बेबुनियाद आरोप लगाये गये। पुलिस ने अब तक इस मामले की जांच भी नहीं की। विहिप के रामदयाल मीणा ने कहा कि अगर पांच दिनों में आरोपी नहीं पकड़े गये, तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। विहिप के प्रदेश संयोजक प्रेम सिंह राजावत ने इस घटना को सनातन का अपमान बताते हुए इस घटना की निंदा की है। विहिप के जिला अध्यक्ष विजेंद्र खंडेलवाल ने इस घटना को हिंदू समाज एवं संतों के सम्मान पर आघात करार दिया। ज्ञापन में कहा गया कि अगर जांच में संत दोषी पाये जाते हैं, तो कार्रवाई की जाये, लेकिन यदि वह निर्दोष हैं, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। परिषद ने मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने एवं दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि गत 28 अगस्त को मंदिर के महंत के खिलाफ एक युवक और एक किशोर ने अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया था, जिसकी टहला पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी। इसके बाद बाबा को धोखे से मालाखेड़ा बुलाया गया, जहां बाबा के साथ करीब 25 लोगों ने मारपीट की।

प्रदर्शन

बिहार में कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत पूज्य माता के लिए किये गए अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आज नागौर में सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में नागौर कांग्रेस कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया गया।

पत्नी को जलाकर मारने के दोषी को अदालत ने मृत्युदंड की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर की एक अदालत ने अपनी पत्नी को जलाकर मारने के दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी के जुर्म की घोर निंदा करते हुए इसे जघन्य अपराध करार दिया। आरोपी पर आरोप था कि उसने पत्नी के सांवले रंग व 'मोटापे' के चलते उसके शरीर पर ज्वनशील पदार्थ डाला और उसे आग लगा दी। यह हृदयविदारक घटना 24 जून 2017 को नवानिया गांव में हुई। आठ साल की कानूनी लड़ाई के बाद मावली (उदयपुर) के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने शनिवार को फैसला सुनाया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी किशनलाल को अपनी पत्नी लक्ष्मी के रूप-रंग से गहरी नफरत थी। अपराध वाली रात उसने अपनी पत्नी को कपड़े उतारकर पूरे शरीर पर एक ज्वलनशील रसायन लगाने को कहा और उसे विश्वास दिलाया कि वह इससे गोरी हो जाएगी। अदालत के अनुसार लक्ष्मी को रसायन की अजीब गंध के कारण संदेह हो गया लेकिन फिर भी उसने अपने पति पर भरोसा करके पूरे शरीर पर इसे लगा लिया। इसके बाद किशनलाल ने एक अगरबत्ती जलाई और उसे पत्नी के पेट के पास ले गया जिससे शरीर पर लगे ज्वलनशील तरल पदार्थ ने आग पकड़ ली। गंभीर रूप से जल चुकी लक्ष्मी मदद के लिए चिल्लाई और भागने लगी, लेकिन आरोपी ने पहले ही साजिश के तहत कमरा अंदर से बंद कर दिया था इसलिए वह बाहर नहीं जा पाई। इसके बाद ससुराल वाले उसे अस्पताल ले गए जहां कुछ दिन बाद लक्ष्मी की मौत हो गई।

अपने आदेश में अदालत ने किशनलाल के कृत्य को दुर्लभ मामला बताते हुए इसकी निंदा की। अदालत ने कहा कि आरोपी किशनलाल का यह कृतय समाज के सामूहिक अंतःकरण को झकझोरता है। सरकारी अभियोजक दिनेश पालीवाल ने कहा कि उन्होंने 14 गवाह और 36 दस्तावेज पेश करके साबित किया कि किशनलाल बार-बार लक्ष्मी को 'मोटी व काली' कहकर ताने मारता था और इसके चलते ही उसने यह अपराध कृत्य किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि लक्ष्मी का मृत्यु पूर्व बयान महत्वपूर्ण साक्ष्य है जिससे पुष्टि होती है कि पति उसके रंग रूप व शारीरिक बनावट के लिए उसे ताने मारता था और उसे खुद के लिए योग्य नहीं बताता था। लक्ष्मी द्वारा दिए गए मृत्यु पूर्व बयान ने उसके साथ हुए उत्पीड़न की पुष्टि की। अपने बयान में लक्ष्मी ने बताया कि कैसे किशनलाल ने उसे कमरे में बंद कर दिया, उसके रंग-रूप का मजाक उड़ाया और अंततः उसे जिंदा जलाने की अपनी साजिश को अंजाम दिया।

बागड़े ने लोकदेवता बाबा रामदेव के किए दर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

इस दौरान राज्यपाल ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया। इस अवसर पर बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से राज्यपाल का साफा, दुपट्टा एवं बाबा रामदेव जी की तस्वीर भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। राज्यपाल ने बाबा रामदेव जी के आदर्शों और जनकल्याणकारी विचारों का स्मरण किया।

उन्होंने देशभर से रामदेवरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को अद्भुत बताया और प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

राजभवन में बागड़े के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को दर्शाती पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का विमोचन

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के इतिहास में वह क्षण सदा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया जब राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के आग्रह पर सोमवार को रामदेवरा की भीलों का बास निवासी श्रीमती सोमती ने उनके एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का विमोचन किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल आदिवासी, जनजाति और गांव गरीब के लोगों को समर्पित किया है। उनकी यह मंशा थी कि उनके एक वर्ष कार्यकाल की पुस्तक का लोकार्पण लोक आस्था के पावन धाम में किसी महिला के हाथों से हो। रामदेवरा स्थित भीलों का बास निवासी सोमती देवी को इसके लिए चुना गया।

राज्यपाल ने कहा कि 'अभ्युदय की ओर' का अर्थ है, सर्व कल्याण, सबकी उन्नति, सबके समान उत्थान के लिए कार्य। उन्होंने रामदेवरा की महिला सोमती द्वारा 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक विमोचन के लिए आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल बागड़े ने राजस्थान में अपने एक वर्ष के कार्यकाल को उदयपुर जिले की आदिवासी ग्राम पंचायत बिलवान कोटड़ा में मनाया था। एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने जनजातीय लोगों के मध्य ही रात्रि विश्राम कर उनसे मिल बैठ संवाद कर मनाया था। राज्यपाल के रूप पदभार ग्रहण के बाद से ही राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का निरंतर यह प्रयास रहा है कि सभी क्षेत्रों में राजस्थान 'अभ्युदय की ओर' बढ़ें। इसी के तहत उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों का सघन दौरा किया, वहां के लोगों से संवाद किया। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जन हित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक में इन सबसे जुड़ी महती सामग्री संजोई गई है। इस पुस्तक में उनके द्वारा रासायनिक खेती के खतरों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के लिए किए कार्य, सहकारिता की भावना के साथ सभी क्षेत्रों विकास के साझा प्रयास, डेयरी और आदिवासी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए किए कार्य और प्रदेश में विश्वविद्यालयों को उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से समृद्ध किए जाने, नेक एक्रीडेशन आदि के लिए हुई पहल को संजोया गया है।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला शाखा की सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा की गई 'अभद्र' टिप्पणियों के विरोध में सोमवार को मध्य कोलकाता में प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष फाल्गुनी पात्रा के नेतृत्व में लगभग 200 सदस्यों ने मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी भी उनके साथ शामिल हुईं। उन्होंने टायर जलाए और मुख्य सीआर एवेन्यू को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पात्रा ने कहा, हमने कोलकाता पुलिस से विरोध प्रदर्शन करने और अपने राज्य कार्यालय के पास एक मंच बनाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि सभी अनुमतियां लेने के बावजूद पुलिस ने हमारा मंच तोड़ दिया। उन्होंने कहा, लेकिन हम मोदी और शाह जिनका व्यापक और सार्वभौमिक सम्मान है, के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अभद्र शब्दों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

राहुल गांधी कर रहे हैं मतदाताओं का अपमान : रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राहुल गांधी के इस दावे का मजाक उड़ाया कि वह जल्द ही अपने ''वोट चोरी'' आरोप के सिलसिले में ''हाइड्रोजन बम'' सामने लेकर आएंगे।

भाजपा ने उनका ''एटम बम'' बेकार साबित होने का दावा करते हुए उन पर गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से लोकसभा में विपक्ष के नेता के अपने पद को कमतर करने का आरोप लगाया। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी का मोदी को ''गाली'' देने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने बार-बार गांधी को नकारा है और प्रधानमंत्री में विश्वास जताया है।

पटना में अपनी वोट अधिकार यात्रा के समापन के दौरान गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया था। प्रसाद ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जीत के पीछे धोखाधड़ी और छल का आरोप

लगाकर कांग्रेस नेता मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अहंकार है और हम मतदाताओं से कहेंगे कि वे उन्हें उनके अहंकार की सज़ा दें। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी बार-बार निशाना साधा और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई राजनीतिक आधार न होने के बावजूद वह राहुल गांधी के 'दोयम का दर्जा' निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद पर दावा है, लेकिन उन्होंने आगे की कुर्सी राहुल गांधी को दे दी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राज्य में मतदाता सूचियों की चल रही विशेष गहन समीक्षा का बचाव करते हुए, प्रसाद ने दावा किया कि विपक्ष का इसके खिलाफ अभियान सिर्फ दो वजहों से है। उन्होंने राज्य में चुनावी हिंसा और बूथ-कब्जे की घटनाओं के इतिहास को याद करते हुए कहा कि विपक्षी नेता 'बूथ लूटने का अधिकार और ताकत' चाहते हैं और उनकी यह भी इच्छा है कि घुसपैठियों को वोट देने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि गांधी का अभियान कांग्रेस की बार-बार की चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा पर आधारित है और यदि गांधी इसी तरह का आचरण जारी रखेंगे तो उनकी पार्टी को और भी बुरा अंजाम भुगतना पड़ेगा।

असम में 2.6 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी/भाषा। मध्य असम में सोमवार दोपहर 2.6 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप अपराह्न तीन बजकर 56 मिनट पर आया और इसका केंद्र ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर कार्बी आंगलोंग जिले में पांच किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप का सटीक केंद्र मध्य असम के तेजपुर से लगभग 43 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है।

ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित सोनितपुर और विश्वनाथ के अलावा पड़ोसी नगांव, होजई और गोलाघाट जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग अपने घरों से बाहर निकलकर खुले इलाकों में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि असम उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जिस वजह से इस क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

बिहार में 99.5 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने दस्तावेज जमा कराए : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 99.5 प्रतिशत ने पात्रता दस्तावेज जमा कराए हैं।

आयोग ने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल ने मतदाताओं को निर्धारित प्रारूप में दावे और आपत्तियां दाखिल करने में सहायता उपलब्ध नहीं कराई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को चुनाव निकाय ने सूचित किया कि मतदाताओं ने अधिक ''सतर्कता और सक्रियता'' दिखाई है, क्योंकि उन्होंने मसौदा सूची में नाम शामिल करने के लिए 33,326 फॉर्म और नाम हटाने के लिए 2,07,565 फॉर्म जमा किए हैं। आयोग ने बताया कि इसके अलावा पहली बार मतदाता बनने के लिए 15 लाख से अधिक आवेदन आए हैं।

आयोग ने बताया कि पहली बार मतदाता बनने के लिए आए हैं 15 लाख से अधिक आवेदन

निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने एक नोट में कहा, रिकॉर्ड के अनुसार, बिहार राज्य की मसौदा मतदाता सूची में शामिल लगभग 99.5 प्रतिशत मतदाताओं (7.24 करोड़ में से) ने एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित अपने पात्रता दस्तावेज पहले ही जमा कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज सत्यापन कार्य 24 जून के एसआईआर आदेश में दिए गए कार्यक्रम के अनुरूप 25 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने कहा, विशेष रूप से, यह प्रस्तुत किया जाता है कि भाकपा (माले) लिबरेशन और राजद के अलावा, अन्य किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल ने अपने पदाधिकारियों या वैध रूप से नियुक्त बीएलए के माध्यम से, लगभग 65 लाख मतदाताओं में से किसी भी मतदाता को, जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, घोषणा के साथ फॉर्म 6 जमा करने में सहायता नहीं की है। अन्य किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल ने निर्धारित प्रारूप में दावे या आपत्तियां दाखिल करने की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई है।

मतदाता सूची भाजपा की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही है : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर लोगों के अधिकार छीन रही है और मतदाता सूची सत्तारूढ़ गठबंधन की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही है।

बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता ने राजग सरकार पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन को सत्ता से बेदखल करने के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के घटक दलों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर राज्य सरकारों को गिराने के लिए 'वोट चोरी' करने और विधायकों की खरीद-फरोख्त में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। सोरेन ने कहा, भाजपा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का विपक्षी नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है।

ममता का खाद्य सुरक्षा का दावा गरीबों के साथ क्रूर मजाक : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के दावे का खंडन करने के लिए भाजपा ने सोमवार को पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला दिया और आरोप लगाया कि उनका दावा गरीबों के साथ क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय के अनुसार, बंगाल में छह से 59 महीने की उम्र के 69 प्रतिशत बच्चे खून की कमी (एनीमिया) से पीड़ित हैं, जबकि चौथे सर्वेक्षण में यह संख्या 54 प्रतिशत बताई गई थी। उन्होंने बताया कि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 71 प्रतिशत महिलाएं और 39 प्रतिशत पुरुष खून की कमी से पीड़ित हैं।

राज्य में पार्टी के सह-प्रभारी मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ममता बनर्जी का 'खाद्य सुरक्षा' पर उपदेश पश्चिम बंगाल के गरीबों के साथ एक क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 उनके बड़े-बड़े दावों की पोल खोलता है। मालवीय ने बताया कि राज्य के कई जिलों में 'वेस्टिंग' (लंबाई के अनुपात में कम वजन) में वृद्धि देखी गई है, जिसमें कोलकाता में 11.9 प्रतिशत, दार्जिलिंग में 9.3 प्रतिशत, दक्षिण दिनाजपुर में 5.7 प्रतिशत और हावड़ा में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, उनकी तथाकथित 'खाद्यसाथी' और 'दुआरे राशन' योजनाएं उनके 'भाईपो' और तृणमूल कांग्रेस के चापलूसों के लिए एक दावत है - जो बंगाल की मेहनत की कमाई पर मौज कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वह केवल अपने भ्रष्ट साथियों के लालच की ही भूख मिटाती हैं।

बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा था कि उनकी सरकार ने राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है और उनकी कई कल्याणकारी योजनाएं लोगों के घर तक खाद्यान्न और राशन उपलब्ध करा रही हैं। मालवीय ने कहा कि 2026 तक बंगाल पर 7.72 लाख करोड़ रुपए का कर्ज होने का अनुमान है, और राज्य सरकार लोगों को भूखा मार रही है। उन्होंने दावा किया, 2026 में भाजपा इस तमाशे को खत्म कर देगी और बंगाल के लिए वास्तविक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

'नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह' बन गए हैं नीतीश : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में एक इंजीनियर के यहां नकदी की बरामदगी के मामले का उल्लेख करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं।

यादव ने पटना के डाक बंगले चौराहे पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपने पिता लालू प्रसाद की तरह ही भाजपा के सामने नहीं झुकेंगे। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, यह बिहार की धरती है, यह लोकतंत्र की जननी है। दो भाजपाई, निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। उनका कहना था कि जनता को तय करना है कि उन्हें लोकतंत्र चाहिए या राजतंत्र।

राजद नेता ने कहा, बिहार की जनता उड़ती चिड़िया को हल्दी लगाना जानती है और वह भारतीय जनता पार्टी की ठगी में भी आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है और एक इंजीनियर के घर से करोड़ों रुपए मिलते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतिश कुमार नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस के मंच को हटाने के लिए केंद्र ने सेना का दुरुपयोग किया : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के विरोध में यहां बनाए गए मंच को हटाने के लिए सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

सेना ने मध्य कोलकाता के मैदान क्षेत्र में गांधी प्रतिमा के पास बनाए गए तृणमूल कांग्रेस के मंच को हटाने का काम शुरू किया।

मौके पर पहुंची ममता बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, लेकिन इसके पीछे भारतीय

जनता पार्टी की प्रतिशोध की राजनीति है। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार दोषी है। वे सेना का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि सेना को मंच हटाने से पहले कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने कहा, वे मुझे बुला सकते थे और मैं कुछ ही मिनटों में मंच हटवा देती।

बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, बस उनसे अपील करती हूं कि वे तटस्थ रहें और भाजपा के हाथों में न खेलें। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकरण, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में दो दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देती है।

रक्षा अधिकारी ने एक बयान में कहा, तीन दिन से अधिक अवधि के आयोजनों के लिए रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दो दिनों के लिए दी गई थी।

हालांकि, मंच लगभग एक महीने से लगा हुआ है। आयोजकों को अस्थायी ढांचा हटाने के लिए कई बार सूचित किया जा चुका है। हालांकि इसे हटाया नहीं गया।

67 साल पुराने दुनिया के सबसे लंबे बांध को बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत: साहू

बुर्ला (ओडिशा)/भाषा। दुनिया के सबसे लंबे मिट्टी के बांध हीराकुंड बांध को ढांचागत समस्याओं को दूर करने और क्षमता बढ़ाने के लिए व्यापक मरम्मत की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। हीराकुंड बांध सर्किल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुधीर कुमार साहू ने बताया कि 67 साल पुराने बांध की समग्र मजबूती अच्छी बनी हुई है, लेकिन जलाशय के ऊपरी हिस्से में सतही दरारें और गड्ढे पाए गए हैं। साहू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम बांध का रखरखाव ठीक से कर रहे हैं और केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधान केंद्र तथा केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र ने अच्छी रिपोर्ट दी है। इसकी मजबूती बहुत अच्छी है, लेकिन जलाशय के ऊपरी हिस्से में कुछ सतही दरारें और गड्ढे हैं। हीराकुंड बांध परियोजना ओडिशा के संबलपुर शहर से लगभग 12 किलोमीटर ऊपर महानदी नदी पर बनाई गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग छह से छह किलोमीटर दूर स्थित इस बांध तक पहुंचने के लिए निकटतम रेल संपर्क हीराकुंड रेलवे स्टेशन और निकटतम हवाई अड्डा झारसुगुड़ा है।

यह बांध 25.4 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 743 वर्ग किलोमीटर में फैली एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है। वर्ष 1957 में आज़ादी के बाद भारत की पहली बहुउद्देशीय परियोजना के रूप में इस बांध का निर्माण हुआ था। वर्ष 1946 में तत्कालीन गवर्नर सर हॉथोर्न लुईस द्वारा आधारशिला रखे जाने के बाद 1948 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1948 में कंक्रीट का पहला बैच बिछाया और 13 जनवरी, 1957 को इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। वर्तमान में, यह बांध बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, बिजली उत्पादन, औद्योगिक और घरेलू जल आपूर्ति सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

'वोट अधिकार यात्रा' संपन्न, राहुल ने 'वोट चोरी' पर खुलासे के 'हाइड्रोजन बम' का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि ''वोट चोरी के एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम'' आने वाला है, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना ''मुंह नहीं दिखा पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के माध्यम से क्रांतिकारी प्रदेश बिहार ने यह संदेश दिया है कि 'वोट चोरी' नहीं होने दी जाएगी।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं की 16 दिनों की वोट अधिकार यात्रा का यहां एक विशाल मार्च और सभा के माध्यम से समापन हुआ। यह मार्च गांधी मैदान से अंबेडकर पार्क तक होने वाला था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण पुलिस ने इसे डाक बंगला चौराहे पर ही रोक दिया जहां राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के कई अन्य नेताओं ने समर्थकों को संबोधित किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यात्रा के अंतिम दिन भी प्रधानमंत्री मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर हमला जारी रखा और दावा किया कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में फैल चुका है। उन्होंने बेंगलूरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का उल्लेख किया और कहा, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। महादेवपुरा में हमने एटम बम दिखाया था। भाजपा वालों तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। तैयार हो जाइए, वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 'वोट चोरी' का 'हाइड्रोजन बम' आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता को अपना ''चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वोट चोरी का मतलब, अधिकार, आरक्षण, रोजगार, शिक्षा, लोकतंत्र और युवाओं के भविष्य की चोरी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी तथा अदाणी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों को दे दिया जाएगा।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के महिला मोर्चा ने बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ सोमवार को यहां विरोध मार्च निकाला।

झारखंड: नौ माओवादियों ने हथियार, गोला-बारूद के साथ आत्मसमर्पण किया

लातेहार (झारखंड)/भाषा। झारखंड के लातेहार जिले में प्रतिबंधित माओवादी समूह झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नौ सदस्यों ने अपने हथियारों और गोला-बारूद के साथ सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौ उग्रवादियों में एक जोनल कमांडर और चार उप-जोनल कमांडर शामिल हैं, जिन पर कुल 23 लाख रुपए का इनाम था।

माओवादियों ने 12 आग्नेयास्त्रों के साथ आत्मसमर्पण किया, जिनमें चार एके-47 राइफल, एक एके-56 राइफल और तीन एसएलआर (सेल्फ लोडिंग राइफल), 1,782 कारतूस और 26 मैगजीन शामिल हैं। झारखंड के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी-ऑपरेशन) माइकल राज एस ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, जेजेएमपी के नौ सदस्यों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मैं सभी माओवादियों से आग्रह करता हूं कि वे आत्मसमर्पण करें और आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि जेजेएमपी के जोनल कमांडर रविंद्र यादव पर पांच लाख रुपए का इनाम था और वह 14 मामलों में वांछित था। पुलिस ने बताया कि उसने दो एके-47, तीन राइफल और 1,241 कारतूस के साथ आत्मसमर्पण कर दिया।

भाजपा-आरएसएस नीतीश को वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की झोली में गिरने तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर यह दावा भी किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

खरगे ने कहा, आज पूरे देश में 'वोटर अधिकार यात्रा' की चर्चा हो रही है। भाजपा ने इस यात्रा को रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन बिहार की जनता, राहुल गांधी जी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेता नहीं रुके। आखिर में हमारी 'वोटर अधिकार यात्रा' पूरी हुई। उन्होंने दावा किया नरेंद्र मोदी बिहार में वोट चोरी करके चुनाव जीतना चाहते हैं, लेकिन हम सभी को सतर्क रहना होगा। खरगे का कहना था, बाबा साहेब अंबेडकर जी, गांधी जी, नेहरू जी ने देश के लोगों को वोट का अधिकार दिया है और हमें इस अधिकार को खोने नहीं देना है। खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, नीतीश कुमार एक जमाने में समाजवाद की विचारधारा की बात करते थे। पूरे देश में जाकर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस के गुण गाते थे और अब भाजपा-आरएसएस की झोली में जा गिरे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक दिन नीतीश कुमार को भाजपा-आरएसएस वाले वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है।

सुविचार

धैर्य का मतलब है कि आप अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें, चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टैरिफ का बहाना, हिंदू समाज पर निशाना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की यह टिप्पणी अत्यंत निंदनीय है कि 'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे 'रोकने' की जरूरत है। ट्रंप की तरह ये 'सलाहकार' भी बड़बोले निकले। जब सलाहकार इतने 'तेजस्वी' होंगे तो राष्ट्रपति यकीनन उनसे चार हाथ आगे ही निकलेंगे। नोबेल पुरस्कार पाने की सनक में डोनाल्ड ट्रंप ने खुद को हंसी का पात्र बना लिया है। अब पीटर नवारो ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं, जो उनका 'भारतविरोधी' और 'हिंदूविरोधी' चेहरा बेनकाब कर रही हैं। उन्होंने ब्राह्मण समाज के बारे में यह टिप्पणी इसलिए की है, ताकि हिंदू समाज में फूट डाली जाए। भारत में कुछ नेता उनकी 'हां में हां' मिलाने लगे हैं। दुर्भाग्य की बात है कि ऐसे समय में पीटर नवारो जैसे शख्स को सख्ती से जवाब देने के बजाय कुछ लोग प्रचार पाने का मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं। यह न समझें कि पीटर ने भावावेश में आकर ऐसी टिप्पणी की है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया, जिसके ज्यादातर प्लेटफॉर्म अमेरिका के ही हैं, पर नजर रखती हैं और उसकी रिपोर्टों का विश्लेषण करती हैं। पीटर को किसी ने बताया होगा कि ऐसी बयानबाजी करेंगे तो टैरिफ मामले में जातिवाद का तड़का लग जाएगा और आप सोशल मीडिया पर छा जाएंगे। उन्होंने वही किया। पीटर यह भ्रम फैलाना चाहते हैं कि टैरिफ मामले में असल जिम्मेदार एक जाति के लोग हैं। आश्चर्य होता है कि अमेरिका में इतना महत्त्वपूर्ण पद संभाल रहे शख्स की सोच इतनी ओछी है!

पीटर की यह बयानबाजी उस विषैली सोच की अभिव्यक्ति है, जो भारत की हर समस्या के लिए ब्राह्मण समाज को जिम्मेदार ठहराती है। उनका बस चले तो उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की सत्ता, अफ्रीका में भुखमरी और अमेरिका में तलाक के मामलों के लिए भी ब्राह्मण को जिम्मेदार ठहरा दें। ब्राह्मण ने सनातन धर्म और इस देश के लिए बहुत त्याग किए हैं, बड़े बलिदान दिए हैं। जो अमेरिका चिकित्सा के क्षेत्र में छोटी-से-छोटी खोज का श्रेय लेने से पीछे नहीं हटता, उसके नेताओं-अधिकारियों को पता होना चाहिए कि भारत का ब्राह्मण ही था, जिसने योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सदियों तक शोध किया, लेकिन कभी श्रेय लेने की होड़ में शामिल नहीं हुआ, क्योंकि वह 'वसुधैव कुटुंबकम' में विश्वास करता है। पीटर को पिछले एक हजार साल का इतिहास पढ़ना चाहिए। उस दौरान भारत में सत्ता में कौन था? अपनी कमियों, कोताहियों के लिए एक समाज पर झूठी तोहमत लगाना आसान है। मंशा जब ब्राह्मण पर तोहमत लगाने की हो तो यह काम और आसान हो जाता है, क्योंकि उसके खिलाफ इतना दुष्प्रचार किया गया है कि अब झूठ भी सच लगता है। यह कहना कितना हास्यास्पद है कि 'ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं', जबकि चीन द्वारा रूसी तेल की खरीद पर उनके पास कोई जवाब नहीं है। अगर पीटर भारत के कारोबारी वर्ग को ब्राह्मण कह रहे हैं तो चीनी कारोबारियों के बारे में क्या ख़याल है? ब्राह्मण ने मुट्ठीभर चावल और एक लोटा पानी पर गुजारा करके भी सनातन धर्म की सेवा की है। तमाम सुविधाओं से वंचित और अभावों से पीड़ित होकर भी वह अमेरिका की दिग्गज कंपनियों का सीईओ बन सकता है, तो यह उसकी योग्यता है। उसकी उन्नति देखकर कोई ईर्ष्या करता है तो करे। इससे पहले कि ट्रंप का 'नोबेल प्रेम' किसी बड़े उन्माद में बदल जाए, अन्य सलाहकार उन्हें यह समझाएं कि आप अमेरिकी राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा को बहुत पलीता लगा चुके हैं। सत्ता में आकर किसी पुरस्कार की प्राप्ति के लिए नहीं, जनकल्याण के लिए काम करना चाहिए। जो नेता जनकल्याण करता है, उसका दर्जा किसी भी पुरस्कार से ऊंचा होता है।

ट्वीटर टॉक

जिन ताकतों ने महात्मा गांधी जी की हत्या की, आज वही ताकतें संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रही हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने महादेवापुरा की वोट चोरी को देश के सामने रखा।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 स्थित रेगर मोहल्ला में ए.एस.जी नेत्र चिकित्सालय समूह एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ।

-दीया कुमारी

जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर-11 स्थित गणेश पार्क में गणेश महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव ऑपरेशन सिंदूर थीम पर आयोजित है। यहाँ महापौर बहन वनिता सेठ, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेन्द्र पालीवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ पूजा-अर्चना की।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मनुष्य की जड़ें

चीन में एक छोटा लड़का अपनी दादी के साथ रहता था। दादी ने घर के पास एक सुंदर बगीचा लगा रखा था। एक दिन दादी बीमार हो गईं, तो उन्होंने अपने पोते से कहा कि वह बगीचे की देखभाल करे।अगले दिन जब दादी थोड़ी ठीक हुईं और बगीचे में गईं, तो देखा कि पौधे मुरझाए हुए हैं। उन्होंने हैरानी से पोते से पूछा, 'बेटा, तुमने पौधों को पानी क्यों नहीं दिया?' पोते ने मासूमियत से जवाब दिया, 'दादी! मैंने हर पौधे की पत्तियां अच्छे से पोंछी थीं और उनकी जड़ों में रोटी के टुकड़े भी डाले थे।' दादी मुस्कराईं और बोलीं, 'बेटा, पेड़-पौधे रोटी के टुकड़ों से नहीं, उनकी जड़ों में पानी देने से बढ़ते हैं। बाहरी सफाई से नहीं, अंदर की जड़ों को पोषण देने से जीवन मिलता है।' लड़का थोड़ी देर सोच में पड़ गया। फिर उसने दादी से पूछा, 'दादी, क्या मनुष्य की भी कोई जड़ होती है?' दादी ने कहा, 'हां बेटा, मनुष्य की जड़ उसका 'मन' और 'साहस' होता है। जब हम अपने मन को हर दिन साहस और सकारात्मक सोच से सींचते हैं, तभी हम जीवन में मजबूत बनते हैं।' इस बात का उस लड़के पर गहरा प्रभाव पड़ा। उसने निश्चय किया कि वह अपने मन की जड़ों को साहस और मेहनत से सींचेगा।

सामयिक

नकली दवाइयों का काला कारोबार

रोहित माहेश्वरी

अगर आप डॉक्टर की बताई मात्रा और सही समय पर दवाइयां ले रहे हैं और आपकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है तो फिर आप जो दवा ले रहे हैं वो नकली हो सकती है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में हर चौथी दवा नकली है। बुखार, शुगर, ब्लड प्रेशर, पेन किलर से लेकर कैंसर तक की घटिया या नकली दवाएं मार्केट में हैं। कई नामी देसी-विदेशी कंपनियों के नाम की ये दवाइयां बिक रही हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश की ताज नगरी आगरा में नकली दवाओं के बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। जांच में सामने आया है कि पुडुचेरी-चेन्नई में नकली दवाएं बनाकर आगरा में भंडारण कर चार राज्यों में खपाया जा रहा था। औषधि विभाग की टीम ने ऐसी आठ फर्मों की करीब 71 करोड़ की दवाएं सीज की हैं। और तीन दवा कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। सिंडिकेट में 40 दवा विक्रेताओं के शामिल होने के सुराग मिले हैं। दवाओं का काला कारोबार करने के लिए 15 डमी फर्म भी चिह्नित की हैं। इनके नाम पर पर ये कई राज्यों में कारोबार कर रहे थे। दवाओं को मंगवाने और भेजने में ये रेलवे सेवा का उपयोग कर रहे थे। पिछले साल नवंबर में आगरा के शास्त्रीपुरम इलाके में पशुओं की नकली दवाएं बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी।

नकली दवाओं का कारोबार का नेटवर्क पूरे देश में फैला है। इंसानों ही नहीं जानवरों की दवाईयां भी नकली बनाई जा रही हैं। इस काले धंधे के तार ऊपर से नीचे तक जुड़े हुए हैं। 1969 से संचालित देश के सबसे बड़े थोक दवा व्यापारिक केंद्रों में शुमार भागीरथी पैलेस पर पिछले तीन वर्षों में दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस ने छापेमारी कर 14 करोड़ से अधिक की नकली दवाएं पकड़ी हैं। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर नकली दवाएं कैंसर, हृदय, किडनी, डायबिटीज और नसों के रोगों से संबंधित थी, जिन्हें नामी दवा कंपनियों के ब्रांड नाम से पैक कर बेचा जा रहा था। नकली दवाओं की पैकेजिंग, बारकोड-क्यूआर कोड मूल दवाओं जैसे होने से इनके खरीदार झांसे में आ जाते हैं, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ का दावा है कि दुनिया में नकली दवाओं का कारोबार 200 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,60,000 करोड़ रुपये का है। नकली दवाएं 67 फीसदी जीवन के लिए खतरा होती हैं। बची हुई दवाएं खतरनाक भले ही ना हों, लेकिन उनमें बीमारी ठीक करने वाला साल्ट नहीं होता है, जिस वजह से मरीज की तबीयत ठीक नहीं होती है। आखिरकार मर्ज बिगड़ता चला जाता है, जिससे वह मौत के मुंह तक चला जाता है। नकली या घटिया दवाओं के एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। एसोचैम की एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। भारतीय मार्केट में इनका कारोबार 352 करोड़ रुपये का है।

वर्ष 2024 में तेलंगाना में करोड़ों की नकली या घटिया दवाइयां पकड़ी गईं। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन की जांच में खुलासा हुआ कि नामी कंपनियों के नाम से बनी इन दवाइयों में चाक पाउडर या स्टार्च था। इसी तरह अगर कैप्सूल एमोक्सिलिन का है तो उसमें सस्ती दवा पेरासिटामोल भरी हुई थी। इसी तरह 500 ग्राम एमोक्सिलिन साल्ट की मात्रा सिर्फ 50 ग्राम ही थी। कैंसर तक की नकली दवाएं पकड़ी गईं। ये सभी दवाएं उत्तराखंड के काशीपुर और यूपी के गाजियाबाद से कूरियर के जरिए तेलंगाना पहुंची थी। इन दवाओं की पैकिंग इस तरह की गई थी, जो बिल्कुल असली लग रही थीं। इनकी पहचान करना मुश्किल था। उत्तराखंड में पिछले साल कई दवा कंपनियों के सैंपल जांच में खरे नहीं उतरे तो उनका लाइसेंस कैंसल किया गया। यह सभी दवाइयां उत्तराखंड में बन रही थीं। इसी तरह आगरा के मोहम्मदपुर में 2024 में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई। पुलिस ने 80 करोड़ रुपये की नकली दवाएं पकड़ी थीं। इसमें कैंसर, डायबिटीज, एलर्जी, स्लीपिंग पिल्स और एंटीबायोटिक्स दवाएं शामिल थीं। इसी तरह देश के कई राज्यों में छापेमारी कर नकली दवाओं की खेप पकड़ी गई। इससे पहले कोविड-19 के समय भी देश भर में नकली रेमडेसिवीर के इंजेक्शन सप्लाई करने के मामले तक सामने आए थे।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भी कई ऑपरेशन में पिछले सालों में दिल्ली-एनसीआर में चल रहे कई सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। गाजियाबाद के लोनी स्थित ट्रोनिका सिटी में नकली दवाओं का गोदाम पकड़ा, जिसका मास्टरमाइंड एक डॉक्टर निकला। ये सोनीपत के गन्नौर स्थित फैक्ट्री में भारत, अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका की 7 बड़ी कंपनियों के 20 से ज्यादा ब्रांड की नकली दवा तैयार कर रहे थे। इंडिया मार्ट और भागीरथ प्लेस तक में इनकी सप्लाई थी। भारत के अलावा चीन, बांग्लादेश और नेपाल में एक्सपोर्ट करते थे। विशेषज्ञों के अनुसार, नामी ब्रांडेड कंपनियों के नाम से ही नकली या घटिया दवाइयां बनती हैं, क्योंकि इसके जरिए जालसाज मोटा मुनाफा कमाते हैं। दूसरी तरफ, जेनेरिक दवाइयों के नकली होने के मामले अभी तक सामने नहीं आए हैं, क्योंकि इन्हें नकली बनाने पर कोई ज्यादा फायदा नहीं होने वाला है। जेनेरिक दवाइयां सस्ती होती हैं, जो उसी तरह का फायदा करती हैं, जिस तरह का लाभ ब्रांडेड दवाइयों से मिलता है। सरकार जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा दे रही है, जो काफी सस्ती होती हैं। इन्हें आप मेडिकल स्टोर और जन औषधि केंद्र से खरीद सकते हैं।

कुछ ऐसी दवाएं हैं, जिन्हें ज्यादा मात्रा में लेने पर नशा होने लगता है। शराब और ड्रग्स से इन दवाओं का नशा काफी सस्ता होने से नशेड़ी इसका इस्तेमाल करते हैं। इस वजह से कफ सिरप, पेन किलर्स, डिप्रेशन पिल्स और मनोरोगियों को दिए जाने इंजेक्शन की खपत बढ़ रही है। इसका फायदा दवा बनाने वाली कंपनियां भी उठा रही हैं, जो एक लाइसेंस पर कई फैक्ट्रियां चलाकर इन्हें धड़ल्ले से बना रही हैं। डिप्रेशन के इलाज के लिए दी जाने वाली गोली का आजकल रेव पार्टियों में काफी इस्तेमाल हो रहा है। यह सही है कि असली की आड़ में नकली दवा का कारोबार पनप रहा है। देखने में यह नकली दवा ब्रांडेड दवा की तरह ही होती हैं लेकिन यह अलग-अलग मटेरियल से तैयार होती हैं। आगरा में दवा माफियाओं ने ब्रांडेड कंपनी की दवाओं के सुरक्षा फीचर में भी सेंधमारी की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नकली क्यूआर कोड बनाया। यहां तक कि कंपनी के एक ही बैच नंबर से 1000 गुना तक दवाएं बनाकर बाजार में खपा दीं। इसमें एक ही बिल को बार-बार दर्शाने पर ये खेल पकड़ में आया। नामी कंपनी को जब निर्माण से ज्यादा दवाएं बाजार में मिलने लगीं तब विभाग से इसकी शिकायत की। 3-4 महीने तक रेकी करने के बाद साक्ष्य जुटाए फिर छापा मारा।

नकली दवाओं की बिक्री बेहद गंभीर मामला है, लेकिन अगर आप जागरूक नहीं हैं तो ये आसानी से पकड़ में नहीं आ पातीं। दूसरी सबसे बड़ी वजह है कमजोर निगरानी सिस्टम। कायदे से ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की ये जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं की खरीद फरोख्त करने वालों को पकड़ें। लेकिन अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है। अगर नियमित तौर पर ये डिपार्टमेंट जांच पड़ताल करे तो नकली दवाएं बेचने वालों की लगाम कसी जा सकती है। नकली दवाएं मरीजों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। ऐसे में जरूरी है निगरानी सिस्टम को दुरुस्त किया जाए।

मुद्दा

सरकारी नौकरी के लिए वैवाहिक रिश्ते दांव पर

अमरपाल सिंह वर्मा

हमारा समाज रिश्तों और विश्वास की नींव पर खड़ा है। हम विवाह को एक संस्था और वैवाहिक बंधन को सात जन्मों का बंधन मानते हैं लेकिन अब विवाह का यह बंधन लालच की सीढ़ी बन रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारी नौकरी पाने के लिए लोग कागजों पर शादी और कागजों पर तलाक का खेल खेल रहे हैं। कभी सामाजिक असुरक्षा और दर्द के प्रतीक माने जाने वाले तलाक को अब नौकरी पाने का साधन बना दिया गया है। यह प्रवृत्ति सिर्क कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज के चरमराते ढांचे का भी संकेत है। पहले नौकरी के लिए फर्जी खेल और दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाने के मामले सामने आते थे मगर हैरानी की बात है कि राजस्थान में नौकरी पाने के लिए तलाक तक ले लिया जाता है। जिस रिश्ते को हम सात जन्मों का बंधन मानते आए हैं, उसे लोग आज दो फीसदी आरक्षण पाने की सीढ़ी बना रहे हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पास इस आशय की दो दर्जन से ज्यादा शिकायतें पहुंच चुकी हैं। दरअसल, तलाकशुदा महिला कोटे में उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं होती, जिससे प्रतिस्पर्धा कम रहती है और कटऑफ भी अन्य श्रेणियों की तुलना में काफी नीचे आ जाती है। इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए कुछ महिलाओं ने केवल कागजों पर शादी और तलाक का खेल रच लिया है। कुछ मामलों में दलालों की मदद से भर्ती निकलने से दो-तीन साल पहले जल्दबाजी में शादी कर ली गई, फिर कागजों पर तलाक लिया गया और नौकरी के लिए आवेदन कर दिया गया। दूसरी तरफ कई विवाहित महिलाओं ने सरकारी नौकरी की लालसा में कोर्ट से तलाक की डिक्री हासिल कर ली लेकिन जैसे ही नौकरी लगी, वे फिर अपने पति के साथ रहने लगीं। इन दोनों ही स्थितियों में कागजों पर वे तलाकशुदा हैं लेकिन हकीकत में उनकी जिंदगी वैवाहिक ही रही है। यह सब कुछ कागजों में तो कानूनी है, मगर असलियत में धोखा है। शिकायतें मिलने के बाद कर्मचारी चयन बोर्ड ने पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को जांच के लिए कहा है। जांच के बाद संभव है कि नौकरियां छिन जाए, मुकदमे भी हों लेकिन बड़ा सवाल यह है कि हमारी सोच कब बदलेगी? इस मामले में वास्तविक चिंता सामाजिक मूल्यों में गिरावट की है। क्या नौकरी का लालच इतना बड़ा हो गया है कि लोग रिश्तों को ही खिलौना बनाकर खेलने लगे हैं? विवाह समाज की मजबूत व्यवस्था है। यह परिवार की बुनियाद और विश्वास का प्रतीक है। लेकिन जब लोग इसे नौकरी पाने का शॉर्टकट बनाने लगें तो हमारी सामाजिक सोच पर प्रश्न उठाने स्वाभाविक हैं। इस तरह से नौकरी हासिल कर फर्जीवाड़ा तो किया ही गया है, साथ ही पात्र महिलाओं का हक भी छीन लिया गया है। तलाकशुदा महिलाओं के लिए 2 फीसदी आरक्षण इसलिए रखा गया है ताकि जो पति से तलाक होने के बाद बेसहारा हो गई हैं, उन्हें नौकरी के जरिये जीवन-यापन में थोड़ी आसानी हो सके। ऐसे मामलों के कारण सबसे ज्यादा नुकसान उन असली तलाकशुदा महिलाओं का हुआ है, जिनके लिए यह तलाकशुदा कोटा बनाया गया था। जो महिलाएं सचमुच संघर्ष कर रही हैं, उन्हें मौका ही नहीं मिल पा रहा क्योंकि कतार में आगे तो वे लोग आ गए हैं जिन्होंने रिश्तों को कागजों पर बेच डाला है। यह मामला बेहद गंभीर है। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए एहतियात उपाय करने बहुत जरूरी हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दस्तावेजों से आगे जाकर जांच की व्यवस्था हो।

केवल तलाक की डिक्री को पर्याप्त न माना जाए बल्कि आवेदक महिलाओं का सामाजिक स्तर पर सत्यापन, निवास संबंधी प्रमाण और बैंक लेन-देन जैसे साक्ष्यों के आधार पर यह देखा जाना चाहिए कि वह महिला वास्तव में अकेली रह रही है या नहीं। दोषी पाए जाने पर नौकरी छीनने के साथ-साथ आर्थिक दंड और कड़ी सजा का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर समाज को भी आत्म मंथन करना चाहिए। बड़ा सवाल है कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं, जहां सरकारी नौकरी की लालसा रिश्तों और संस्कारों से भी बड़ी हो गई है? फर्जी सर्टिफिकेट और फर्जी तलाक के मामले हमें चेता रहे हैं। अगर हम अब भी नहीं चेते और समय रहते अंकुश नहीं लगाया तो आने वाली पीढ़ियां रिश्तों और मूल्यों पर भरोसा करना छोड़ देंगी। यह सही है कि सरकारी नौकरी जीवन की स्थिरता देती है लेकिन समाज का विश्वास और रिश्तों की गरिमा इससे भी जरूरी है।

नजरिया

विवाहिताओं की मौत का कारण केवल दहेज नहीं

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

हाल ही मे यूपी के ग्रेटर नोएडा के एक इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई एक विवाहिता निक्की की मौत ने एक बार फिर समाज के सामने दहेज के जिन्न को बोतल से बाहर लाकर खड़ा कर दिया है। हालांकि इसी घर में मौजूद निक्की की बड़ी बहन द्वारा जलती बहन को बचाने के स्थान पर रील बनाना और मृतका निक्की द्वारा मृत्यु पूर्व डाक्टर को जलने की वजह सिलेंडर लीकेज बताना मामले को पेचीदा बना रहे हैं। हालांकि बता दें कि आजकल आमतौर पर नी पीढ़ी की लडकियों में परिवार के सास ससुर यहां तक कि पति से समायोजन न कर स्वछंद और बिंदास रोका टोकी विहिन जीवन जीने की मानसिकता के चलते परिवार में तनाव और तलाक के मामलों में वृद्धि हो रही है वहीं इस पीढ़ी में तुनक मिजाजी अवसाद और मनमानी न होने पर आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही हैं। लेकिन सभी मामलों में ऐसा नहीं है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं और कुछ क्षेत्रों में तो पुरुषों से भी आगे निकल चुकी हैं, इसके बावजूद समाज में महिलाओं पर जिस प्रकार की अत्याचार की अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं, वह सिर्फ निंदनीय ही नहीं है, बल्कि सभ्य समाज के मुंह पर कलंक है। आज भी समाज में कहीं महिलाएं दहेज के लिए जलायी जा रही है, कहीं सम्मान के लिए या विवाद के कारण उनकी हत्याएं की जा रही है। न देश में बलात्कार की घटनाएं कम हो रही है और न ही उनके साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाएं। पिछले कुछ दिनों के भीतर ही ऐसी कुछ घटनाएं सामने आयी है, जो यह बताने के लिए काफी है कि समानता की बात तो दूर की बात है, समाज में महिलाओं की की स्थिति काफी दयनीय है। उन पर तरह-तरह से अमानवीय अत्याचार और हैवानियत हो रही है।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से हाल ही में सामने आई घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के मेडचल जिले के मेडिपाली थाना इलाके से भी कुछ ऐसी ऐसी ही ही। दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की उसके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी। महिला गर्भवती थी। गर्भवती महिला की हत्या के बाद पति ने उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और फिर शव के कुछ टुकड़े छुपा दिए और कुछ नदी में बहा दिए। मृतक महिला की पहचान स्वाति उर्फ ज्योति के रूप में की गई है। मृतक महिला के आरोपी पति का नाम महेंद्र रेड्डी है। जानकारी अनुसार घरेलू विवाद के चलते उसने अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या की। पड़ोसियों ने घर से कुछ आवाजें सुनीं और कुछ मिनट बाद अंदर गए तो देखा कि स्वाति का शव टुकड़ों में कटा हुआ और एक बैग में रखा हुआ था। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महेंद्र को हिरासत में ले लिया। ऐसी ही एक घटना मध्य प्रदेश को ग्वालियर में भी सामने आयी हैं। यहां दहेज के लालच में ससुराल वालों ने एक महिला पर ऐसे जुल्म ढाए कि जो कोई भी सुन रहा है, उसकी रूह कांप जा रही है। पति और ससुराल वालों ने पहले तो महिला को गर्म चिमटे और डंडों से पीटा और फिर कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए दिल्ली के के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार पीड़िता सोनाली की शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले गाड़ी की डिमांड को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। एक महीने पहले, जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो पति, सास, ससुर और ननद ने मिलकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सोनाली के पिता सतीश शर्मा की शिकायत पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक हमारी बेटियां दहेज की बलि चढ़ती रहेंगी? संविधान, कानून और जागरूकता अभियानों के बावजूद दहेज प्रथा आज भी समाज की नसों में जहर की तरह फैली हुई है। भारतीय समाज में विवाह को एक पवित्र बंधन माना जाता है, लेकिन समय के साथ इस पवित्र बंधन को दहेज जैसी कुप्रथा ने कलंकित कर दिया। प्रारंभिक दौर में दहेज 'कन्यादान' के रूप में था, जिसमें माता-पिता बेटी को अपनी हैसियत के अनुसार कुछ उपहार देते थे। परंतु धीरे-धीरे यह उपहार लालच और दिखावे की भेंट चढ़ गया और आज यह ऐसी व्यवस्था बन चुकी है, जिसमें लड़की के परिवार पर भारी आर्थिक बोझ डाला जाता है। भारतीय समाज में दहेज प्रथा एक ऐसी ऐसी कुरीति है, जो न केवल स्त्री के सम्मान और अस्तित्व को चोट पहुंचाती है, बल्कि उसकी जान तक ले लेती है। सरकारी आंकड़े इस भयावह सच्चाई की गवाही देते हैं। हर दिन औसतन 20 महिलाएँ दहेज की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। 22 सालों में लगभग 1.8 लाख महिलाओं की मौत दहेज के कारण हुई। केवल 2018 से 2021 के बीच 34,493 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई और वर्ष 2022 में 6,450 महिलाओं की हत्या कर दी गई। इन आंकड़ों से साफ है कि दहेज के खिलाफ कानून बनने और जागरूकता अभियानों के बावजूद हालात में बहुत सुधार नहीं हुआ है। सबसे भयावह स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहाँ अकेले 11,874 महिलाएँ दहेज की बलि चढ़ीं। बिहार में 5,354 और मध्य प्रदेश में में 2,859 महिलाओं की मौत दर्ज की गई। दहेज सिर्फ पैसों या सामान का लेन-देन नहीं है, यह स्त्रियों को दूसरे दर्जे का मानने वाली मानसिकता का हिस्सा है। दरअसल ज्यादातर विवाहिताओं की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होती है इनमे से अधिकांश सुसाइड के होते हैं लेकिन कानून का लाभ लेने के लिए परिजन ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या के मामले दर्ज करा देते हैं पुलिस भी सही जांच करने के स्थान पर खाना पूर्ति कर दहेज हत्या मे चार्जशीट दाखिल कर देती है बाद में अदालत में यह सब मामले साबित नहीं हो पाते हैं और आरोपी बरी हो जाता है। ऐसे मामलों में दोषसिदधी की दर दो फीसदी है। दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि यह हमारी सभ्यता और संस्कृति पर धब्बा है। ग्रेटर नोएडा और ग्वालियर जैसी घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि यदि समाज की सोच नहीं बदली, तो कानून और अभियान भी अधूरे रहेंगे। अब समय आ गया है कि हम सामूहिक रूप से इस प्रथा के खिलाफ खड़े हों। हर परिवार को यह प्रण लेना होगा कि न तो दहेज देंगे और न लेंगे। जब तक यह संकल्प समाज के हर कोने तक नहीं पहुंचेगा, तब तक बेटियां जलती रहेंगी साथ ही समाज को यह समझना होगा कि इन मौतों के असली कारण को तलाश करने की जरूरत है। वरना कुछ निर्दोष परिवार जेल कचहरी में जीवन तबाह करते रहेंगे और समस्या का सही निवारण नही खोजा जा सकेगा।सही समस्या तक पहुचने के लिए पीड़ित परिवार को पुलिस में सही घटना को बिना लाग-लपेट दर्ज कराना चाहिए आत्महत्या को दहेज हत्या दर्ज कराने से मामले आमतौर पर दोष सिद्ध नही होते हैं बेहतर यह है कि आत्महत्या दर्ज कराएं और आत्महत्या करने के लिए उत्पीड़न व उकसाने के आरोप ज्यो के त्यों दर्ज कराने चाहिए व्यर्थ में कानूनी लाभ के लिए दहेज की मांग के आरोप उचित नहीं है और इसी का परिणाम है कि ये वारदातें बढ़ती जा रही है और सही समाधान की तलाश ही नही की जा रही है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर चल रहे गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हुए।

बच्चों को फोन की बजाय खेल के मैदान के लिए प्रोत्साहित करें: अरुण लाल

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फोन पर स्क्रीन टाइम के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा खेल के मैदान से दूर रहे हैं।

'ग्रासरूट्स टू ग्लोबल पोडियम्स: इंडियाज रोड टू 2036' विषय पर आयोजित सत्र में अरुण ने भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर के खेलों के महत्व पर जोर दिया।

नीता अंबानी ने व्यापार तनाव के बीच न्यूयॉर्क रंगमंच महोत्सव स्थगित किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच उद्योगपति मुकेश अंबानी की पत्नी द्वारा संचालित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) ने 'अप्रत्याशित परिस्थितियों' का हवाला देते हुए अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में होने वाले रंगमंच समारोह को स्थगित कर दिया है। न्यूयॉर्क शहर में 'एनएमएसीसी इंडिया वीकेंड' नाम से यह कार्यक्रम 12 से 14 सितंबर तक लिंकन सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना था।

एनएमएसीसी ने अपनी वेबसाइट पर एक सूचना में कहा, हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि 12 सितंबर को न्यूयॉर्क में होने वाला एनएमएसीसी 'इंडिया वीकेंड' अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया गया है। ऐसा करने की कोई वजह नहीं बताई गई। इस कार्यक्रम का टिकट खरीदने वालों रिफंड का वादा किया गया है।

सूचना के मुताबिक, कार्यक्रम रद्द नहीं किया गया है, बल्कि यह केवल एक विराम है। हम एनएमएसीसी को बाद में न्यूयॉर्क लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

यह स्थगन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगातार किए जा रहे जुबानी हमलों के बीच हुआ है।

पुतिन ने मोदी को अपनी 'लिमोजीन' कार में दी लिफ्ट

तियानजिन/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी 'ऑरस लिमोजीन' कार में लिफ्ट दी और दोनों नेता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता स्थल तक साथ पहुंचे।

रूस के राष्ट्रीय रेडियो स्टेशन 'वेस्तीएफएम' की खबर के अनुसार, पुतिन की 'लिमोजीन' से होटल पहुंचने के दौरान रास्ते में दोनों नेताओं के बीच बातचीत जारी रही। होटल में दोनों नेता अपनी अपनी टीम के सदस्यों के साथ एक दूसरे से मिलने वाले थे। हालांकि, होटल पहुंचने पर वे रूसी राष्ट्रपति की लिमोजीन से नहीं उतरे और 50 मिनट तक बातचीत करते रहे।

बाद में, क्रेमलिन' (रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों नेताओं ने कार में लगभग एक घंटे तक आमने-सामने की बातचीत की।

मोदी ने सोशल मीडिया पर लिमोजीन के अंदर अपनी और रूस के राष्ट्रपति की एक तस्वीर भी साझा की। मोदी ने कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ पहुंचे। उनके साथ बातचीत हमेशा सार्थक होती है।

मॉस्को में जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन के बीच शायद यह सबसे महत्वपूर्ण विशेष बातचीत थी, जिसमें उन्होंने संभवतः ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जिसकी ''जानकारी किसी और को नहीं हुई''। अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, मोदी ने पुतिन को बताया कि यूक्रेन संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करना मानवता का आह्वान है। उन्होंने कहा कि मानवता का आह्वान है कि संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए और क्षेत्र में स्थायी शांति लाने के तरीके खोजे जाएं।

प्रस्तुति

सोमवार को अहमदाबाद में आगामी नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि उत्सव के लिए पारंपरिक परिधानों में सजी एक गरबा टोली अपने अभ्यास सत्र के दौरान प्रस्तुति देती हुई।

बच्चों को मेवे न खिलाना हो सकता है नुकसानदायक, मोटापा और एलर्जी को लेकर फैला डर बेबुनियाद

सिडनी। बच्चों और मेवों को एक साथ जोड़ते ही कुछ माता-पिता ऐसे प्रतिक्रिया देते हैं मानो कोई गलत शब्द कह दिया गया हो। ऐसा अक्सर वसा और डर जैसे शब्दों से जुड़ी भ्रांतियों के कारण होता है। कुछ माता-पिता बच्चों को मेवे नहीं देते क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे वजन बढ़ सकता है या फिर यह खतरनाक एलर्जी का कारण बन सकता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि मेवे बच्चों के लिए फायदेमंद हैं, और उन्हें दूर रखना कई बार नुकसानदायक साबित हो सकता है।

मेवों में मौजूद वसा होती है लाभकारी कम वसा वाले उत्पादों के प्रचार ने वर्षों से यह धारणा बना दी है कि वसा हानिकारक है। लेकिन मेवों में जो वसा होती है, वह असंतृप्त वसा होती है, जो हृदय और पाचन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है तथा शरीर में सूजन को कम करती है। मेवे बच्चों की वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं, जिनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड शामिल हैं जो मस्तिष्क, नसों और दृष्टि के विकास में सहायक होते हैं। साथ ही, ये पॉलीफेनोल्स (एंटीऑक्सीडेंट्स) के भी अच्छे स्रोत हैं, जो कैंसर से बचाव जैसे कई संभावित स्वास्थ्य लाभों से जुड़े हैं।

इनमें मौजूद फाइबर, प्रोटीन और अच्छे वसा पाचन में समय लेते हैं, जिससे बच्चों को अधिक समय तक भूख नहीं लगती और वे अधिक संतुष्ट महसूस करते हैं। शोध में पाया गया है कि मेवों से प्राप्त कुल ऊर्जा का लगभग 20 प्रतिशत शरीर में अवशोषित नहीं होता, फिर भी पेट भरा हुआ लगता है। उच्च फाइबर सामग्री बच्चों की पाचन क्रिया को नियमित रखने में भी मदद करती है।

मेवों को अक्सर वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन शोध बताता है कि मेवे खाने से वजन नियंत्रित रहता है, और इनका सेवन करने वाले बच्चों में मोटापे की आशंका कम होती है। हालांकि, मेवों से एलर्जी की समस्या बढ़ रही है, जिससे माता-पिता चिंतित रहते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन में ही मेवों को भोजन में शामिल करने से एलर्जी का खतरा कम होता है, यहां तक कि उन बच्चों में भी जिनके परिवार में एलर्जी का इतिहास हो। एक अध्ययन में यह पाया गया कि बचपन से मूंगफली खिलाने पर किशोरावस्था में मूंगफली एलर्जी की आशंका 71 फीसदी तक कम हो जाती है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि चार से छह माह की उम्र के बीच, बच्चों को मेवे पेस्ट के रूप में देना शुरू करें जैसे कि 100 फीसदी मूंगफली का मक्खन (स्मूद)। शुरुआत में थोड़ी-सी मात्रा बच्चे के होठों पर लगाकर 30 मिनट तक प्रतिक्रिया देखें। कोई प्रतिक्रिया न हो तो धीरे-धीरे मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

शाहरुख ने रानी मुखर्जी ने मिलकर बांटी खुशी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को इस साल घोषित किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला था। सोमवार को दोनों ने मिलकर इसका जश्न मनाया। इसका एक वीडियो शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

इस वीडियो में दोनों को साथ देख आपको 90 के दशक की याद आ जाएगी जब दोनों साथ काम किया करते थे। रानी और शाहरुख ने 'चलते-चलते', 'कुछ-कुछ होता है', 'वीर जारा' और 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दोनों कलाकारों ने शाहरुख के बेटे आर्यन खान की आगामी डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के मशहूर गाने 'तू पहली तू आखिरी' पर एक शानदार रील बनाई है। वीडियो के अंत में शाहरुख और रानी मुखर्जी ने रोमांटिक पोज भी दिया है। इसमें गाने की स्टारकास्ट की झलक भी दिखती है। इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, राष्ट्रीय पुरस्कार पाने की हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी, आप सचमुच में एक रानी हैं, मैं हमेशा आपको प्यार करता रहूंगा।

आपको बता दें कि इस साल 1 अगस्त को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान हुआ था। इनमें शाहरुख को फिल्म 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में नयनतारा, दीपिका पादुकोण और विजय सेतुपति भी थे। वहीं रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। आर्यन खान की सीरीज का गाना 'तू पहली तू आखिरी' लोगों को पसंद आ रहा है।

इस गाने का संगीत शाश्वत सचदेव ने दिया है। इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने इसे अपनी आवाज दी है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बंबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार हैं। यह 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें सलमान खान सहित कई बॉलीवुड स्टार्स का कैमियो भी है। सीरीज में फिल्म इंडस्ट्री पर व्यंग्य किया गया है।

अभिनेता विपिन शर्मा का विदेश में बजा डंका, हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' के लिए मिला अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' में किन्नर का किरदार निभाने वाले अभिनेता विपिन शर्मा को 'एस्टार अवार्ड्स 2025' से सम्मानित किया गया है। वरिष्ठ अदाकार ने मंच पर इसका श्रेय 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के एक्टर देव पटेल को दिया। वेटरन अभिनेता विपिन शर्मा को हाल ही में बैंकॉक में आयोजित एस्टार अवार्ड्स 2025 के उद्घाटन समारोह में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म साइंस एंड आर्ट्स(आईआईएफएसए) ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया था। इन पुरस्कारों का उद्देश्य सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वालों को सम्मानित करना है। इसमें विभिन्न देशों और संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले फिल्म निर्माता और कलाकार मौजूद थे। विपिन शर्मा इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान पाने वाले पहले भारतीय अभिनेताओं में से एक बन गए हैं।

विपिन शर्मा ने अवॉर्ड पाने के बाद कहा, पहले ही एस्टार अवार्ड्स में यह सम्मान पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। मंकी मैन मेरे लिए एक खास सफर रहा है और दुनिया भर के दर्शकों के साथ इस अभिनय को जुड़ते देखना बहुत सुखद है। मैं देव पटेल का भी बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे एक ऐसी भूमिका दी जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा, एक ऐसी भूमिका जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। इस तरह के पुरस्कार हमें सिनेमा की सीमाओं को पार करने और लोगों को जोड़ने की शक्ति की याद दिलाते हैं, और मैं इस पल का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। फिल्म 'मंकी मैन' को अभिनेता देव पटेल ने डायरेक्ट किया था। बतौर निर्देशक यह उनकी पहली फिल्म थी। इसे भारत में रिलीज नहीं किया गया था।

पुलिस स्टेशन में भूत में दिखेगी रोमांचक हॉरर कॉमेडी

मुंबई/एजेन्सी

लगभग तीन दशक बाद इतिहास रचने वाली फिल्म सत्या के बाद, निर्देशक राम गोपाल वर्मा और अभिनेता मनोज बाजपेयी एक बार फिर साथ आ रहे हैं इस बार एक दिलचस्प हॉरर कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत के लिए। इस अनोखे सिनेमाई प्रयोग में मनोज के साथ जुड़ रही हैं जेनेलिया डिसूज़ा, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है, जो डर, व्यंग्य और आरजीवी की खास कहानी कहने की शैली के संगम से एक रोमांचक सफर की झलक दिखाता है। फिल्म के मूल में एक ऐसा सवाल है जो सुरक्षा की धारणा को पूरी तरह उलट देता है: जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं लेकिन जब पुलिस डर जाए, तो वो कहां भागेगी?

फिल्म के बारे में बात करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा: सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना एक साथ ही नॉस्टैल्जिक और रोमांचक है। डर तब सबसे ज्यादा खौफनाक हो जाता है जब वह सुरक्षा की सबसे बड़ी सत्ता को चुनौती देता है, और पुलिस स्टेशन शक्ति का वही अंतिम प्रतीक है। मनोज की तीव्रता और जेनेलिया की मासूमियत के साथ यह कहानी उस सीमा को तोड़ेगी।

'जॉली एलएलबी 3' के ट्रेलर लॉन्च को लेकर छिड़ी मजेदार बहस

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर दर्शक खासे उत्साहित हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी अपनी यादगार भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो जॉली एलएलबी 'ब्रांड' की खास पहचान बन चुकी है। ट्रेलर को लेकर मेकर्स ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया है, जो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। उन्होंने एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें यह तय करने की बहस चल रही है कि ट्रेलर कहां लॉन्च होगा... कानपुर में या मेरठ में। इस बहस का तरीका कुछ ऐसा है कि दोनों शहरों की खूबियां और स्वाद वीडियो में बड़े ही मजेदार अंदाज में पेश किए गए हैं। वीडियो में अक्षय कुमार कानपुर की तारीफ करते हुए कहते हैं कि कानपुर के ठग्गु के लड्डू, बदनाम कुल्फी, लुच्ची सब्जी, सुल्तानी दाल, मट्ठा, चाट और इमरती जैसे स्वाद चखने का मजा कानपुर में ही आता है। वह बताते हैं कि अगर आपको ये स्वाद लेना है तो 'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर कानपुर में लॉन्च होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, अरशद वारसी मेरठ के पक्ष में खड़े हैं और जोर देते हैं कि ट्रेलर मेरठ में लॉन्च होना चाहिए। दोनों की इस बहस को देखने में दर्शकों को काफी मजा आ रहा है।

इस बीच, जज की भूमिका निभा रहे सौरभ शुक्ला इस बहस को रोकते हुए कहते हैं कि अगर वे दोनों को और सुनेंगे तो शायद हथौड़े का गलत इस्तेमाल कर बैठेंगे। वे कहते हैं, ''अगर मैंने इन दोनों को थोड़ी देर और सुना, तो मैं इस हथौड़े का गलत इस्तेमाल कर बैठूंगा भाईसाब। इसलिए आप तय करके बता दो कि फिल्म का ट्रेलर कहां लॉन्च होना चाहिए, कानपुर में या मेरठ में?'' 'जॉली एलएलबी 3' की बात करें तो यह फिल्म अपनी पिछली दोनों फिल्मों की तरह एक मजेदार और सामाजिक मुद्दों पर आधारित कहानी लेकर आ रही है। फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, अमृता राव, और गजराज राव भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस बार भी फिल्म की कहानी में न्याय व्यवस्था के मजेदार पहलुओं को बड़े ही हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में दिखाया जाएगा। सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के टाइटल ट्रैक से इंटरनेट पर धूम मचाई

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' का टाइटल ट्रैक 'दीवानियत', जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है, इंटरनेट पर काफी लोकप्रिय हो गया है। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत इस फिल्म का टीज़र हाल ही में रिलीज़ हुआ था, जिसने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। यह गाना म्यूज़िक लेबल प्ले डीएमएफ के संस्थापक अंशुल गर्ग का बतौर निर्माता पहला फिल्मी गीत है। उन्होंने पहले भी कई हिट गाने दिए हैं। 'दीवानियत' गाने से पहले, विशाल मिश्रा और अंशुल गर्ग की जोड़ी ने 'मांझा' जैसे सफल गाने दिए हैं। गाने के पूरी तरह से रिलीज़ होने से पहले ही, यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इसके कई फैन एडिट्स बन रहे हैं।

इस गाने को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया पर अंशुल गर्ग कहते हैं, दीवानियत मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि यह बतौर फिल्म निर्माता मेरा पहला गाना है। रिलीज़ से पहले ही जो प्यार मिला है, वो बेहद खास है। दर्शकों का यह उत्साह दिखाता है कि कहानी को कहने में संगीत कितना महत्वपूर्ण है। मुझे यकीन है कि जब दर्शक पूरा गाना सुनेंगे तो इसे और भी पसंद करेंगे।

विशाल मिश्रा भी अंशुल से सहमत हैं। वे कहते हैं, मैंने बहुत सारे फिल्मी गाने गाए हैं, लेकिन बहुत कम गानों को रिलीज़ से पहले इतना प्यार मिला है। 'दीवानियत' को मिला प्यार ही सब कुछ कह देता है। अब मैं दर्शकों के पूरे गाने को सुनने और उनकी प्रतिक्रिया जानने का इंतज़ार कर रहा हूँ। मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा निर्देशित और राघव शर्मा के सह-निर्माण में बनी 'एक दीवाने की दीवानियत' एक गहरी प्रेम कहानी है। यह फिल्म इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

सोमवार को कोलकाता में वामपंथी दलों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शांति और एकजुटता दिवस पर साम्राज्यवाद और फासीवाद के खिलाफ विशाल रैली निकाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 02-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि राजा और प्रजा के अपने-अपने कर्तव्य होते हैं।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति के दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी बैठक संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 47वां दशहरा महोत्सव-2025 की तैयारी हेतु प्रिंसेस श्राईन पैलेस ग्राउंड में दुर्गा पूजा उपसमिति की बैठक, समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह (के के सिंह) की अध्यक्षता में हुई । सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राईन में ही दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जाए । इस वर्ष दुर्गा पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण को बनाया गया है। समुचित व्यवस्था हेतु कार्यक्रम को पूर्णरूपेण व्यवस्थित कैसे किया जाए, सभी उपस्थित सदस्य अपनी अपनी राय व्यक्त की। बैठक में राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के क्रियाकलापों पर भी विशेष तौर पर चर्चाएं हुई, सभी सदस्यों ने अपनी अपनी राय दी। दशहरा महोत्सव को यादगार बनाने हेतु सभी सदस्यों ने अपने उत्साह और समर्पण को दोहराया ।

गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक की बैठक संस्था के अध्यक्ष बालू पंचारिया की अध्यक्षता में रविवार को सम्पन्न हुई। ईश्वर वंदना से बैठक प्रारंभ हुई। बैठक में समाज के कई मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें सबसे महत्वपूर्ण चर्चा समाज के लिए भूखण्ड लेने पर हुई और इसके लिए उपस्थित समाज बंधुओं ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए अपनी स्वीकृति प्रदान की। मुख्य रूप से बालू पंचारिया, महेन्द्र उपाध्याय (गोमती), कैलाश जोशी, नंदकिशोर जोशी, रामेश्वर पंचारिया, महेन्द्र उपाध्याय (जयमातादी), जितेन्द्र उपाध्याय ने अपनी सहमति प्रदान की।

बैठक में संस्था के नए अध्यक्ष बालू पंचारिया ने कार्यसमिति का गठन किया जिसमें मार्गदर्शक के रूप में तुलसीराम उपाध्याय, रामेश्वर पंचारिया, हीरालाल जोशी, भंवरलाल सांखी, माणकचंद पंचारिया, उपाध्यक्ष के रूप में कैलाश जोशी, नंदकिशोर जोशी, महेंद्र उपाध्याय (गोमती) को शामिल किया है। जगदीश आचार्य को महामंत्री, जितेन्द्र उपाध्याय व महेन्द्र उपाध्याय को मंत्री, जगदीश पंचारिया, सुनील जोशी व सूरज व्यास को सहमंत्री, विकास उपाध्याय को कोषाध्यक्ष, राजगोपाल तिवाड़ी व विनोद गिल को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया है। शिवनारायण शर्मा, दिनेश भारद्वाज, सचिन उपाध्याय, नटवर पंचारिया, लीलाधर उपाध्याय, अशोक शर्मा को शामिल किया गया। नियमित समय पर नियमित रूप से बैठक का आयोजन व आवश्यकता होने पर कार्यसमिति विस्तार पर भी सहमति हुई। धन्यवाद विकास उपाध्याय ने दिया।

राजाजीनगर में विकास महोत्सव, सामूहिक क्षमा याचना एवं तपोभिनंदन समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथी सभा ट्रस्ट राजाजीनगर द्वारा सोमवार को तेरापंथ भवन में डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में 32 वां विकास महोत्सव, सामूहिक क्षमायाचना और तपोभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मुनिश्री ने कहा कि दीर्घदृष्टा आचार्यश्री तुलसी के पट्टोत्सव के इस दिन को विकास महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आचार्यश्री तुलसी ने तेरापंथ धर्म संघ को विकास के शिखर पर चढ़ाया, उनमें अदम्य साहस वह प्राणी मात्र के प्रति आध्यात्मिक सहयोग की भावना थी। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य तुलसी युगीन चिंतन रखने वाले महान आचार्य थे। उनकी साधना का तेज व आकर्षण विशेष था। मुनि आदित्य कुमार जी ने विकास की व्याख्या का विश्लेषण करते हुए कहा कि विवेक, कार्य कुशलता एवं संतुलन के गुणों से युक्त आचार्य श्री तुलसी के समय से विकास महोत्सव का आयोजन होते आ रहा है।द्वितीय चरण में जुगराज श्रीश्रीमाल ने सभी संतों के प्रति क्षमायाचना की। सभा की ओर से 40 से ज्यादा तपस्वियों का सम्मान किया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने सबका स्वागत किया। महिला मंडल की मंत्री अरूणा कोठारी, तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक एवं गांधीनगर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सतीश पोरवाड़ ने किया। मीडिया प्रभारी रनीत कोठारी ने धन्यवाद दिया।

सामूहिक क्षमायाचना दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैनम लक्ष्मीनारायण पुरम ट्रस्ट द्वारा रविवार को सामूहिक क्षमायाचना एवं तप अभिनन्दन समारोह श्रीरामपुरम स्थित श्रमणी सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें जैनम परिवार के अनेक सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रायोजक विरदीचंद आच्छा एवं माणकचंद सकलेचा परिवार का स्वागत किया गया तथा सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष रमेश सियाल ने जैन धर्म में क्षमा के महत्व के बारे मे अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री दिलीप आच्छा ने सभी अतिथियों एवं तपस्वियों का धन्यवाद दिया।

विकास पुरुष थे आचार्य तुलसी : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में विकास महोत्सव का आयोजन हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि ज्ञान, दर्शन, चरित्र से संघ का विकास शिखर पर चढ़ा है। तेरापंथ के आचार्यों ने विकास का सुदीर्घ इतिहास बनाया जिसमें आचार्य तुलसी ने अनेक अवदान दिए। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने अपने वक्तत्व, कर्तृत्व से संघ को जो दिया उसे सैंकड़ों शताब्दियों तक भी

नहीं भुलाया जा सकता है। कार्यक्रम में मंगलाचरण साध्वी वर्धमानयशाजी ने किया। साध्वी बोधिप्रभा जी ने अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, पूर्वाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के महेश मांडोत, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा लता बाफना ने अपने भाव प्रस्तुत किए। तपस्वी राजेश छाजेड़ के और विपुल पितलिया का सम्मान किया। संचालन साध्वी विनीतयशाजी ने किया।

विकास महोत्सव में अणुव्रत समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री विनीत कुमार जी एवं पुनीत कुमारजी के सान्निध्य में सोमवार को तेरापंथ धर्मसंघ का 32वां विकास महोत्सव एवं हुब्बल्ली व सिंधनूर अणुव्रत समिति का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुनि विनीत कुमार जी ने कहा कि प्रारम्भ का मूल्य भविष्य से आंका जाता है। यदि भविष्य उज्ज्वल हुआ तो प्रारम्भ भी उज्ज्वल हो जाता है। उन्होंने कहा कि गुणात्मक विकास की नाप-तोल करना शक्ति से परे है। ज्ञानदर्शन और चरित्र की जो आत्मगत अनुभूति है, उसे बाह्य दृष्टि आँक नहीं सकती, इसलिए उन्हें तारतम्य की परिधि में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। ज्ञान का गम्य रूप है श्रुत। दर्शन का गम्य रूप है व्यवस्था और चरित्र का गम्य रूप है अनुशासन। आचार्य भिक्षु ने गण का विधान भी इनके आधार पर बनाया। मुनिश्री ने कहा कि लक्ष्य के प्रति जो आस्था होती है, वह व्यक्ति या समाज को आगे ले जाती है। ङ्कमुनि विनीत कुमार जी ने अणुव्रत के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि अणुव्रत किसी धर्म विशेष का नहीं है अणुव्रत संपूर्ण मानव जाति का है। भगवान महावीर ने अणुव्रत के माध्यम से सबको अपने विकास के नए आयाम दिए। अणुव्रत के अंतर्गत जितने भी समाज के व्यक्ति जुड़े हुए हैं वह सब अपने अपने कार्य क्षेत्र में अणुव्रत का प्रचार प्रसार करें जिससे भगवान महावीर और आचार्य तुलसी का उद्देश्य सफल हो। मुनिश्री ने अणुव्रत के पदासीन पदाधिकारियों को पद की गरिमा बनाए रखने की सलाह दी। इस मौके पर तेरापंथ सभा बेंगलूरु के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, अणुव्रत विश्व भारती कर्नाटक राज्य के प्रभारी केसरीचंद गोलछा व नीतू पालगोता ने अपने विचार व्यक्त किए।

अणुव्रत विश्व भारती के सचिव तेजराज विनायकिया और अणुव्रत विश्व भारती के संगठन मंत्री राजेश चावत ने पत्रों का पठन किया। केसरीचंद गोलछा ने अणुव्रत समिति हुब्बल्ली के नए अध्यक्ष महेन्द्र पालगोता को शपथ दिलवाई। पालगोता ने अपनी नई टीम की घोषणा की और शपथ दिलवाई। पालगोता ने सिंधनूर के नए अध्यक्ष दीपक बोहरा और उनकी टीम को शपथ दिलाई। विजय जैन ने सबका आभार व्यक्त किया। संचालन विकास वेदमुथा ने किया।

एकल के दो रक्तदान शिविर में 386 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एकल युवा द्वारा रविवार को अशोका पिल्लर स्थित अग्रसेन भवन व कोटेगेपाल्या में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अग्रसेन भवन में रक्तदान करने वालों द्वारा 271 यूनिट और कोटेगेपाल्या से 115 यूनिट अर्थात कुल 386 यूनिट रक्तदान हुआ।

शिविर का शुभारंभ अग्रसेन भवन में वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, वन बंधु परिषद साउथ जोन के सचिव बिमल सरावगी, बेंगलूरु चैप्टर के संरक्षक मुरारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल, चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद तथा सचिव वैभव गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस शिविर में 12 ऐसे वरिष्ठ रक्तदाता भी शामिल हुए जिन्होंने अब तक 50 से अधिक बार रक्तदान किया है। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता रही कि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान में भाग लिया। शहर के चार प्रमुख ब्लड बैंक एस्टर, अपोलो, नारायण हेल्थ ब्लड बैंक और संकल्प इंडिया फाउंडेशन ने अपनी सेवाएं दी और इस मेगा रक्तदान शिविर में इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन(कर्नाटक यूथ विंग), राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना, खण्डेलवाल यूथ विंग, किल्लारी रोड ट्रेड एसोसिएशन, रावणा राजपूत समाज ट्रस्ट, गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक, गौड़ ब्राह्मण संघ तथा मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु शाखा सहयोगी थे। युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह करना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और नई ऊर्जा पैदा करना भी है। उन्होंने स्वयं 94वें बारी अपना रक्तदान किया। शिविर में अनेक सदस्यों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। सभी रक्तदाताओं के लिए लकी ड्रॉ और उपहार की व्यवस्था की गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के जीतो नॉर्थ द्वारा 5 सितम्बर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 'जीतो ज़ेवर एक्स्पो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' एक्स्पो में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए जीतो पदाधिकारियों ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वत्थ नारायण को आमंत्रण दिया। इस मौक़े पर नोर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया, सचिव प्रितेश जैन, संयोजक सुरेश गन्ना, सहसंयोजक संजीव गन्ना, राकेश पोखरना, प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी आदि उपस्थित थे।

'सुशासन वही जहां किसी के प्रति अन्याय नहीं, सबके प्रति न्याय हो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि राजा और प्रजा के अपने-अपने कर्तव्य होते हैं। दोनों की मर्यादाएं होती हैं। पुण्य के प्रताप से कोई राजा बनता है। प्रजा उसके शासन में सुख-शांति से जीने की अभिलाषा रखती है। भेदभाव और अन्याय राजा की अयोग्यता व दुर्भाग्य के सूचक हैं। ऐसे राजा को प्रजापालक नहीं कहा जा सकता। गुणों से राजा यशस्वी बनता है, लेकिन गुणहीन या अवगुणी को इतिहास में कलंक के रूप में देखा जाता है। लोकतंत्र का यह कमजोर और विषमतापूर्ण पक्ष है कि यहां एक तिहाई लोगों के समर्थन से भी कोई राजा बन जाता है, सत्ता पर काबिज हो जाता है। लोकतंत्र में गुण महत्वपूर्ण नहीं होते, वोट महत्वपूर्ण होते हैं।

गिनती में गुणवान यदि पिछड़ जाता है तो वह रंक बन जाता है और गिनती में यदि अवगुणी आगे रहता है तो वह राजा बन जाता है। ङ्कजैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं।

नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आयी हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि लोकतंत्र न्याय की कसौटी नहीं है फिर भी सुशासन उसे ही कहा जा सकता है जहां किसी के प्रति अन्याय नहीं होता और सबके प्रति न्याय की गारंटी होती है। भारतीय संस्कृति की प्राचीन राज्य व्यवस्था इसी प्रकार की थी। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि यहां सैकड़ों बालकों व युवक-युवतियों ने पॉइंट कार्ड के आधार पर पचास दिन तक निरंतर अनेक नीति-नियमों का संकल्प लेकर आराधना उपासना की है। नीति-नियमों के ये संकल्प उन्हें पाप व बुराइयों से बचाने के लिए निर्धारित किए गए थे। नई पीढ़ी की उन्नति के लिए उन्हें ऐसी शिक्षा-दीक्षा देनी अत्यंत आवश्यक है।

खरतरगच्छ संघ ने मनाया क्षमापना दिवस सह स्नेहमिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवीपुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में रविवार को जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा सामूहिक क्षमापना सह स्नेहमिलन का आयोजन किया गया। विमलनाथ जैन मंदिर बसवनगुड़ी से शोभायात्रा के साथ संतश्री मलयप्रभसागरजी, हर्षपूर्णाश्रीजी एवं अन्य साधु साध्वीजी भवन पहुंचे। संघ के अध्यक्ष संघवी प्रकाश भंसाली ने सबका स्वागत किया। राजेंद्र गुलेच्छा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, मंत्री कुशल गुलेच्छा, बाबूलाल भंसाली, संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज डोसी, दिनेश पालरेचा, गौतम बाफना, अरविंद कोठारी, दीपक छाजेड़, पंकज बाफना आदि द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। खरतरगच्छ महिला परिषद के द्वारा 'क्षमा दिल से' नामक एक प्रासंगिक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। लाभार्थी गौतम बाफना ने भी अपने संक्षिप्त वक्तव्य में संघ को आयोजन की बधाई दी। ङ्कसाध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने क्षमा की महिमा के बारे में बताते हुए बताया कि होंठों से तो क्षमा बहुत कर लेते हैं लेकिन जब तक अंतर्मन से क्षमा नहीं कर लेते तब तक, की गई क्षमा भी महज औपचारिकता ही कहलाती है। मलयप्रभसागरजी ने अनंतकाल से भटकती आ रही आत्मा के ऊपर लगे कर्मों के, वैर के गाढ़े मैल को क्षमा रूपी पानी से धोकर निर्मल बनाने की बात कही। कार्यक्रम में कमलेश परमार द्वारा गीत संगीत की प्रस्तुति दी गई। भोजन की तैयारियों में जुटे महेंद्र रांका, रंजीत ललवानी, अन्य व्यवस्था संभाल रहे खरतरगच्छ युवा, महिला परिषद एवं जिनदत्त कुशल सेवा मंडल, लाभार्थी परिवार, अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों, आरती जैन, ललित डाकलिया, भरत कोठारी, पंकज बाफना, विकास खटोड़ आदि सदस्यों का यथोचित सम्मान किया गया। अनेक सदस्यों ने विभिन्न व्यस्थाओं में अपना सहयोग दिया। राजेंद्र भंसाली ने धन्यवाद दिया। संघ के मंत्री राजेंद्र गुलेच्छा ने संचालन किया।

'क्षमा देना और क्षमा मांगना ही है जैन धर्म का सार'

पैलेस ग्राउंड पर आयोजित हुई सामूहिक क्षमायाचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मेवाड़ जैन मित्र मंडल के तत्वावधान में रविवार को पैलेस ग्राउंड पर सामूहिक क्षमायाचना समारोह का आयोजन किया गया। मंडल से गौतम मांडोत ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए शालिभद्र मुनिजी ने क्षमा के प्रति मधुर गीत प्रस्तुत किया। सान्निध्य प्रदान करने आए उप्र प्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद और क्षमा के महान सिध्दांतों को जीवन में अपनाने पर ही समस्त विश्व में सुख शांति, समृद्धि और खुशहाली की स्थापना हो सकती है।आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने कहा कि क्षमा देना, क्षमा करना, क्षमा मांगना इन्हीं भावों के साथ में जैन धर्म का सार है।

वसंत मुनिजी ने आशीर्वाद प्रदान किया। इस कार्यक्रम के लिए चारों संप्रदायों के साधु एवं साध्वियों के सान्निध्य में आयोजन किया गया।ङ्कङ्क साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि मानव गलतियों का पुतला है और उससे भूल हो जाना स्वाभाविक है। क्षमावाणी, संवत्सरी महापर्व का यही संदेश है कि क्षमा करो, क्षमा मांगो। मानव को महापुरुषों के जीवन से गुण को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए। साध्वी निर्मलश्रीजी ने कहा कि इंसान को इंसान से जोड़ने का सशक्त माध्यम क्षमा और मैत्री है। क्षमा धर्म, यज्ञ वेद और ज्ञान है। जब तक क्षमा और मैत्री की धारा नहीं बहती तब तक दिलों को आपस में नहीं जोड़ा जा सकता। साध्वी मनीषाप्रभाजी ने कहा कि क्षमायाचना केवल शब्दों से नहीं, बल्कि भीतर छिपे राग द्वेष रूपी कांटों को दूर कर अंतर मन से क्षमा याचना करे। मंडल के प्रवीण दक ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया। मंडल की ओर से तपस्वियों का सम्मान किया गया। मंडल के विभिन्न सदस्यों ने विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली। संयोजक बंटू पिछोलिया ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com